

श्वेता विजन

“नजरिया साफ, खड्डरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

PGDM ABM
का 10वां
कॉन्वोकेशन
MANAGE
हैदराबाद
में हुआ 2

रविवार 11 अक्टूबर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEBSITE: Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पृष्ठ - 1 | अंक - 26 | वर्ष - 8 | मूल्य - 3रु

अमित शाह पर टिप्पणी मामला: राहुल गांधी के खिलाफ बहस पूरी, इस दिन निर्णय की तारीख संभव

नई दिल्ली: कोंकण रेलवे जनता पार्टी (व्हाट्स) के देश भर में विरोध प्रदर्शनों के बीच, शनिवार को कई रेल यात्रियों को अनिश्चितता और यात्रा योजनाओं में बाधा का सामना करना पड़ा, क्योंकि नई दिल्ली और हजूरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर एक्सप्रेस और मेल ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गईं। रेलवे की जानकारी के अनुसार, सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच 155 से ज्यादा ट्रेनें कैंसिल कर दी गईं, जिससे लगभग 2.25 लाख यात्री प्रभावित हुए। इस रुकावट से यात्रियों को काफी परेशानी हुई, खासकर उन लोगों को जो ट्रेन रद्द होने के बारे में जाने बिना रेलवे स्टेशन पहुंच गए थे, कई यात्रियों ने रेलवे से पहले से जानकारी न मिलने की शिकायत की और कहा कि वे स्टेशन तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करते हैं, लेकिन उनकी यात्रा में दिक्कत आती है। इनमें बिहार के सासाराम के रहने वाले ओम प्रकाश भी थे, जो महाबोधि एक्सप्रेस में चढ़ने की उम्मीद में अपनी तय ट्रेन से तीन घंटे पहले रेलवे स्टेशन पहुंच गए थे, ईटीवी भारत से बात करते हुए प्रकाश ने रेलवे अधिकारियों से बातचीत की कमी पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, “मुझे रेलवे से कोई मैसेज या जानकारी नहीं मिली, इसलिए मैं अपनी ट्रेन



पकड़ने के लिए तीन घंटे पहले स्टेशन आ गया, हालांकि, यहां पहुंचने के बाद मुझे एहसास हुआ कि स्थिति अलग थी, अनिश्चितता के बावजूद, प्रकाश को उम्मीद थी कि उनकी ट्रेन तय समय पर चलेगी।” उन्होंने कहा, “मुझे उम्मीद है कि मेरी महाबोधि एक्सप्रेस समय पर चलेगी, नहीं तो मुझे गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।” उनका अनुभव उन आम यात्रियों की मुश्किलों को दिखाता है जो अपनी योजना की यात्रा और लंबी दूरी की यात्राओं के लिए रेलवे सर्विस पर निर्भर रहते हैं, लेकिन, ओम प्रकाश जैसे यात्रियों के लिए अभी भी यही चिंता बनी हुई है कि क्या वे बिना किसी और परेशानी के अपनी

मंजिल तक पहुंच पाएंगे। इसी तरह की चिंता जताते हुए, एक और यात्री विजय थापा, जो जैसलमेर से झारखंड जाने वाली कनेक्टिंग ट्रेन पकड़ने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे थे, ने भी लगातार ट्रेन रद्द होने पर चिंता जताई। रुकावटों से अनजान, उन्हें पक्का नहीं था कि वह अपनी यात्रा जारी रख पाएंगे या नहीं, उन्होंने ईटीवी भारत को बताया, “मैं अपनी कनेक्टिंग ट्रेन को लेकर बहुत परेशान हूँ, मैं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंच चुका हूँ, लेकिन मुझे अभी यह साफ नहीं है कि चल रही कैंसलेशन के बीच झारखंड जाने वाली मेरी ट्रेन चलेगी या नहीं।”

ज्ञानेश कुमार जाएंगे, यह सरकार जाएगी, फिर लोकतंत्र की मरम्मत शुरू होगी: राहुल गांधी



नई दिल्ली: कोंकण रेलवे जनता पार्टी (व्हाट्स) आज शनिवार 10 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रही है, इसके लिए तमाम प्रदर्शनकारी राजधानी पहुंच रहे हैं, हालात को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने कड़े इंतजाम किए हैं, घण्टे-घण्टे पर पुलिस तैनाती की गई है, इसके साथ-साथ सभी महत्वपूर्ण रास्तों को बंद कर दिया गया है। इसी शिलसिले में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार को लेकर बड़ा बयान दिया है, राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार जाएंगे और फिर

लोकतंत्र को ठीक करने का काम शुरू होगा, सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर पोस्ट शेयर करते हुए राहुल गांधी ने लिखा कि ज्ञानेश कुमार जाएंगे, यह सरकार जाएगी, फिर लोकतंत्र की मरम्मत शुरू होगी, उन्होंने संसद के सेंट्रल हॉल में इंडिया (फ़क़) ब्लॉक के सांसदों के सामने दिए अपने भाषण का एक वीडियो विलप भी, पर टैग किया इससे पहले शुक्रवार को राहुल गांधी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार से भी कहीं ज्यादा गंभीर समस्या है और इसके लिए मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर विपक्ष ने पिछले कुछ दिनों की तरह ही दबाव बनाया जारी रखा, तो सरकार गिर जाएगी, गांधी ने संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में

इंडिया (फ़क़) ब्लॉक के सांसदों से कहा था कि विपक्ष के विरोध-प्रदर्शनों ने इस सरकार की नींव हिला दी है और अब वह ढरी हुई है, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा था कि ज्ञानेश कुमार से कहीं ज्यादा गंभीर समस्या है और इसके लिए मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, उन्होंने कहा था कि अगर हम पिछले तीन-चार दिनों की तरह ही दबाव बनाए रखते हैं, तो मैं गारंटी देता हूँ कि यह सरकार गिर जाएगी, विपक्ष का यह आक्रामक रुख ‘द इंडियन एक्सप्रेस’ की एक रिपोर्ट के कुछ दिनों बाद सामने आया है, इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार आधिकारिक तौर पर आपत्ति जताई थी, ये आपत्तियां ज्यादातर वोटर लिस्ट के ‘पूछी’ दबाव बनाना जारी रखा, तो सरकार गिर जाएगी, गांधी ने संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में (स्पेशल समरी शिवि, जन) से जुड़े कैसलों और आदेशों को लेकर भी अपने दो कमिश्नरों की आपत्तियों के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे चुनाव आयोग ने कहा था कि किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय और टिप्पणियां होना एक सामान्य बात है और उसके सभी आदेशों को पूरी कानूनी मान्यता प्राप्त है तथा वे तय कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार ही जारी किए जाते हैं,

जोधपुर में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ-बदल रहे युद्ध के मैदान...अब अपने हथियार और तकनीक में आत्मनिर्भरता भी जरूरी

जोधपुर: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में युद्ध की तकनीक लगातार बदल रही है, बिना पायलट वाले सिस्टम और ड्रोन ने मिलिट्री ऑपरेशन की रफ्तार, दायरा और तरीका बदल दिया, एआई फैसले के तरीके बदल रहा है, लंबी दूरी तक सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों ने युद्ध के दायरे को बड़ा दिया, आने वाले समय में मिलिट्री लाकत इस पर कम निर्भर करेगी कि हमारे पास कितने प्लेटफॉर्म हैं और हम कितनी तेजी से आंकलन करते हैं और फैसले लेते हैं, सिंह शनिवार को एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसेना के युद्धाभ्यास तम शक्ति में शामिल हुए। लंबे समय के युद्ध के क्या जरूरतें, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यहां कहा कि हमने वर्तमान समय की सच्चाई को समझा है कि संकट के समय, कोई भी देश लंबे समय तक चलने वाले युद्ध तब तक नहीं लड़



सकता जब तक कि वह अपने हथियार और जरूरी टेक्नोलॉजी खुद बनाने में सक्षम न हो, इसी वजह से हमने रक्षा क्षेत्र में ‘आत्मनिर्भरता’ को राष्ट्रीय नीति के तौर पर अपनाया, हमने ध्रुव, प्रचंड सहित अन्य विक, सित किए, आमका कार्यक्रम के तहत पांचवीं पीढ़ी का स्ट्रिथ एयरक्राफ्ट

तकनीक विकसित करेंगे, पड़ोस में शक्ति 2026 : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे जोधपुर, वायु योद्धाओं को करेंगे संबोधित। रक्षा मंत्री ने कहा कि उपयोग न्यू नार्मल : रक्षा मंत्री ने कहा कि समय बदल रहा है, हवा और समुद्र के अलावा अन्य विकल्प हैं, साइबर, स्पेस, इंफार्मेशन का उपयोग

सड़क से सदन तक की लड़ाई या सिर्फ जातिगत समीकरण,

यूपी कांग्रेस के नए ‘आराधना काल’ का पूरा विश्लेषण

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की सियासत में हाशिए पर चल रही देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने 2027 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले एक बड़ा दांव खेला है, रामपुर खास से लगातार विधायक और सदन में कांग्रेस के सबसे वफादार आवाज रही आराधना मिश्रा ‘मोना’ को उत्तर प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, यह सिर्फ एक पद की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि नेहरू-गांधी परिवार के सबसे वफादार और नौ बार के रिकॉर्ड विधायक रहे प्रमोद तिवारी की राजनीतिक विरासत की परीक्षा भी है, एक ऐसे समय में जब यूपी में विपक्ष की धुरी समाजवादी पार्टी बनी हुई है, क्या आराधना मिश्रा कांग्रेस के मुरझाए ‘हाथ’ में नई जान



फूंक पाएंगी? कांग्रेस हाई कमान ने देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बदलाव किया है, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को हटाकर तीन बार की लगातार विधायक आराधना मिश्रा ‘मोना’ को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है, “मोना” यूपी कांग्रेस की चौथी महिला प्रदेश अध्यक्ष बनी हैं और अपने परिवार की

चौथी कांग्रेसी पीढ़ी भी हैं, पिता प्रमोद तिवारी के लिए खास है रामपुर सीट : आराधना के परदादा, दादा और पिता भी हमेशा कांग्रेस से ही जुड़े रहे, पिता प्रमोद तिवारी ने जिस रामपुर खास सीट को अपनी कर्मभूमि माना उस जमीन ने उन्हें आसमान की बुलंदियों तक पहुंचाया, रामपुर खास विधानसभा सीट प्रमोद तिवारी के लिए हमेशा ही खास रही और उन्होंने इस सीट पर लगातार नौ बार विधायक बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया, पिता ने बेटी को सीपी सीट : प्रमोद तिवारी ने यह सीट छोड़ी तो अपने बेटी आराधना मिश्रा को जिम्मेदारी सौंपी, रामपुर खास की जनता ने प्रमोद तिवारी की बेटी आराधना मिश्रा को भी सर आंखों पर

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदला, पीएम के नाम पर होगा नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर

लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्ष की सार्वजनिक यात्रा के पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर रखने को मंजूरी दे दी है, शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनडीए में शामिल घटक दलों निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर, अपना वल (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आशीष पटेल, राष्ट्रीय लोकदल के मंत्री अनिल कुमार की उपस्थिति में जानकारी दी, लोकमवन में मीडिया से मुख्यातिव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन देश के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय के रूप में दर्ज हुआ है, सरकार के प्रमुख रूप में अनवरत चल रही समर्पित सेवा यात्रा के 25 वर्ष पूरे होने पर उत्तर प्रदेश का मंत्रिपरिषद प्रधानमंत्री मोदी का हार्दिक अभिनंदन करती है, उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए विशेष गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री जी उत्तर प्रदेश की घरा से ही लोकप्रिय जनप्रतिनिधि और सांसद के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे हैं, उन्होंने सेवा ही समर्पण, और राष्ट्र प्रथम को अपना मूलमंत्र मानते हुए राष्ट्र निर्माण को अपना सर्वोच्च ध्येय बनाया है, प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की अनवरत यात्रा जनसेवा से जनकल्याण, जनभागीदारी से जनविश्वास की अनूठी मिसाल है, पीएम के नाम पर होगा नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट



जेवर, (ईटीवी भारत) प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश का रिश्ता बेहद आत्मीय, प्रधानमंत्री मोदी का और उत्तर प्रदेश का रिश्ता बेहद आत्मीय है, जब प्रधानमंत्री 2014 में काशी आए थे, तो उन्होंने कहा था कि मुझे माँ गंगा ने बुलाया है, काशी और माँ गंगा से आरंभ हुआ आत्मीय संबंध समय के साथ निरंतर गहरा हुआ और आज राज्य के सर्वांगीण कायाकल्प का आधार बना है, केंद्र और राज्य के साझा संकल्प और टीम इंडिया भावना के साथ उत्तरप्रदेश अभूतपूर्व प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है, 2017 से पूर्व प्रशासनिक अस्थिरता और जनजन में असुरक्षा की भावना और बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा था, प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शिता से प्रेरणा लेकर उत्तरप्रदेश ने गवर्नेंस की नई कार्य संस्कृति को अपनाया,

परिणाम स्वरूप सुसाशन सुदृढ़ कानून व्यवस्था, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेश अनुकूल वातावरण उत्तर प्रदेश की पहचान बनकर उभरे हैं, उत्तर प्रदेश नए आत्मविश्वास के साथ नए आयाम स्थापित कर रहा है, मंत्रिपरिषद प्रधानमंत्री की आभारी इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में हुए विकास कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद प्रधानमंत्री की आभारी है, जिन्होंने उत्तर प्रदेश को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर की सौगात दी, यह उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट और भविष्य में देश का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने जा रहा है, ऐसे में मंत्रिपरिषद ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा, जेवर रखने का भी प्रस्ताव पास किया है, उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रेरणादायी मार्गदर्शन, और राज्य के प्रति अटूट व निरंतर समर्पण के लिए मुक्त कंठ

PGDM ABM का 10वां कॉन्वोकेशन MANAGE हैदराबाद में हुआ



हैदराबाद, 10 अक्टूबर 2026 :

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट) (एडि.एम.ए.एम.) के 10वां कॉन्वोकेशन 10 अक्टूबर 2026 को हैदराबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्जीक्यूटिव एडमिनीस्ट्रेशन मैनेजमेंट (डि.ए.एम.) में सफलतापूर्वक हुआ। एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट में डि.ए.एम. की 30 साल की वेतनीय विरासत में एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुए इस इवेंट में ग्रेजुएट होने वाले शुभ की एकैडमिक उपलब्धियों और प्रोफेशनल बदलाव का जश्न मनाया गया। श्री संजय कुमार अग्रवाल, पी. नाननीय जॉइंट सेक्रेटरी (एडमिनिस्ट्रेशन एंड एक्सटेंशन एंड पब्लिसिशन), मिनिस्ट्री ऑफ एग्जीक्यूटिव एडमिनीस्ट्रेशन, वेल्फेयर, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, और डायरेक्टर जनरल, डि.ए.एम., हैदराबाद, इस मौके पर थीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे। उन्होंने ग्रेजुएट हो रहे स्टूडेंट्स को धन्यवाद (डि.एम.) डिप्लोमा दिए, अच्छे स्टूडेंट्स को मेडल दिए और कॉन्वोकेशन एड्रेस दिया।



ACB की नजर में महबूबाबाद के सिविल सप्लायज डिपार्टमेंट के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (टेक्निकल)

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

महबूबाबाद के सिविल सप्लायज डिपार्टमेंट के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (टेक्निकल) के खट्टाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला,

तेलंगाना के एंटी-कॉरप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने श्री बी. नरसिम्हा राव के खट्टाफ आय से अधिक संपत्ति (सी.ए.) का मामला दर्ज किया है। वे अभी महबूबाबाद में डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (टेक्निकल) के तौर पर काम कर रहे हैं और पहले खम्मम कलेक्ट्रेट में काम कर चुके हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी नौकरी के दौरान भ्रष्टाचार और गलत तरीकों से संपत्ति जमा की है। चूंकि यह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2016 में संशोधित) की धारा 13(1)(ड) और धारा 13(2) के तहत दंडनीय अपराध है, इसलिए त. मामला दर्ज करने की मंजूरी दे दी गई है। संदिग्ध अधिकारी, उनके रिश्तेदारों और सहयोगियों से जुड़ी 7 जगहों पर शुरुआती तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कई अचल और चल संपत्तियों की पहचान की गई। प्रॉपर्टी स्टेटमेंट में दी गई जानकारी का सारांश नीचे दिया गया है:

- अचल संपत्तियां, खुला प्लॉट: खम्मम जिले के बोलेपल्ली, रघुनाथपालम और वेरुमुटला में पांच खुले प्लॉट, जिनका कुल क्षेत्रफल 1,230.16 वर्ग गज है। ये प्लॉट संदिग्ध अधिकारी और उनकी



पत्नी के नाम पर हैं। इनकी कुल दस्तावेजजर्जिस्ट्रेशन वैल्यू ₹ 30,72,000/- है।
 2. कृष भूमि: कामता चेर्चु, सूर्यपेट जिले में कृषि भूमि (लगभग 1.00 एकड़), स्कंदा (21.3 एकड़) और नामावरम (331 एकड़ और 531 एकड़ के प्लॉट) - ये जमीनें संदिग्ध अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर हैं (मोथे मंडल, सूर्यपेट जिला)। रिकॉर्ड किए गए दस्तावेजजर्जिस्ट्रेशन के अनुसार कुल मूल्य ₹ 1,17,01,895/- है। स्कंदा जमीन के लिए रिकॉर्ड किए गए मूल्य ₹ 76,00,000/- और एग्मीट

मूल्य ₹ 6,54,75,000/- है। नामावरम की दोनों जमीनों में से प्रत्येक के लिए दस्तावेज मूल्य ₹ 19,25,000/- और एग्मीट मूल्य ₹ 1,92,50,000/- है।
 3. त. इमारतें: 1. कविराज नगर, खम्मम में 102 त. इमारत और 104 त. इमारत, और 2. सागर एक्वेव, बारामलगाडा, 18 नगर में ग्राउंड, पहली और दूसरी मंजिल वाला घर - ये संदिग्ध अधिकारी, उनकी पत्नी और उनके ससुर के नाम पर हैं। कुल दस्तावेज मूल्य ₹ 1,58,00,000/- है। चल संपत्तिबाहन: हुंडई क्रैटा कार (त.ह. छ.व. 008 एन 49759) - ₹ 18,49,759 जट्टे जुपिटर (त.ह. छ.व. 004 ए 4772) - ₹ 1,05,000/- और होंडा एक्टिवा 400 (त.ह. छ.व. 004 ए 2517) - ₹ 50,000/-। घरेलू सामान: ₹ 33,48,400/-। सोना और... संदिग्ध अधिकारी के घर से लगभग 380.97 ग्राम सोना और लगभग 331.58 ग्राम चांदी के गहने जब्त किए गए। इनकी कुल कीमत ₹ 31,321 है। साथ ही, ₹ 15,600 नकद भी जब्त किए गए। अब तक पहचानी गई संपत्ति की कुल कीमत लगभग ₹ 41,06,975 (तीन करोड़ इकतालीस लाख छह हजार नौ सौ पचहत्तर रुपये) है। ऊपर बताई गई अचल संपत्तियों की बाजार कीमत उनके दस्तावेजजर्जिस्ट्रेशन मूल्य से कहीं ज्यादा होने की उम्मीद है। पहचानी गई संपत्तियों के मालिकाना हक, उन्हें हासिल करने के स्रोत, लेन-देन की प्रकृति और फंड के स्रोत की आगे और जांच-पड़ताल

जंतर-मंतर मार्च: दो पूर्व सीएम माणिक सरकार और पिनाराई विजयन हिरासत में, दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को सुरक्षा के कड़े और बहुस्तरीय इंतजामों के बीच, दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो पूर्व मुख्यमंत्रियों- माणिक सरकार और पिनाराई विजयन, को हिरासत में लिया। ये दोनों नेता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रै) के विरोध में और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर आयोजित एक प्रदर्शन में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के उस निर्देश के बाद दिल्ली भर में व्यापक सुरक्षा बलों की तैनाती के बीच हुई, जिसमें 'कॉन्फ्रंट जनता पार्टी' और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा जंतर-मंतर की तरफ निकाले जाने वाले मार्च के खिलाफ देशव्यापी धरपकड़ के आदेश दिए गए थे। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार और केरल



के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन इस विरोध मार्च में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। इनके अलावा, त्रिपुरा के पूर्व मंत्री जितेंद्र चौधरी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रै) की प्रक्रिया पर रोक लगाने और ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाने की मांग

कर रहे थे। प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति न मिलने के कारण, दिल्ली पुलिस ने पूरी राजधानी में एहतियाती कदम और कड़े कर दिए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को इकट्ठा होने और तय प्रदर्शन स्थलों की तरफ मार्च करने से रोकने के लिए रणनीतिक स्थानों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया। इसी बीच एक अन्य घटनाक्रम में, माकपा (बू-डू) के राज्यसभा सांसद ए.ए. रहीम ने 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एफ.आई.) के हिरासत में लिए गए अन्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर नागलैंड स्टेटियम में एक नए आंदोलन की घोषणा की, जिसे उन्होंने 'जंतर-मंतर 2.0' का नाम दिया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि लगभग 300 छात्रों को हिरासत में लेकर स्टेटियम ले जाया गया है। सांसद रहीम ने भूख हड़ताल की भी घोषणा की है। प्रदर्शनकारी छात्र छात्राओं के साथ कथित

मणिपुर के कामजोंग, उखरल और कांगपोकपी में उग्रवादी गुटों के बीच नए सिरे से भीषण झड़पें हुई हैं। पर्व, पूरी रिपोर्ट.

इम्फाल: मणिपुर में पिछले 24 घंटों के भीतर सुल्हा स्थिति एक बार फिर बेहद गंभीर हो गई है। राज्य के कामजोंग, उखरल और कांगपो. कपी जिलों में उग्रवादी गुटों के बीच नए सिरे से भीषण झड़पें शुरू हो गई हैं। इस ताजा हिंसा के दौरान कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया है, जिससे पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है। इन घटनाओं में प्रशास. निक अधिकारियों ने अब तक एक महिला सहित 3 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि की है। हालांकि, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि अलग-अलग हिंसक वारदातों में कुल 7 लोगों की जान गई है। सोशल मीडिया पर कामजोंग पुलिस स्टेशन को आग लगाने के दावों और वीडियो को स्थानीय पुलिस ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने उठाए गंभीर सवाल इस ताजा हिंसा पर मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ए) पर पोस्ट कर राज्य व केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों में एक ही दिन में हिंसक घटनाओं में 7 लोग मारे गए हैं।



बीरेन सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'क्या चल रहा है? हम इतने कमजोर कैसे हो गए कि सशस्त्र उग्रवादी लोगों की हत्या कर रहे हैं, पुलिस स्थानों को आग लगा रहे हैं और भारतीय राज्य की सत्ता को इतनी बेखौफ चुनौती दे रहे हैं?' उन्होंने दावा किया कि म्यांमार स्थित संदिग्ध उग्रवादियों ने कामजोंग जिले के निंगबोउ गांव पर हमला किया है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उखरल जिले में संदीप राय की हत्या कुकी रिवोल्यूशन. री आर्मी (झा.) के कैडरों द्वारा किए गए घात लगाकर किए गए हमले में हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की है कि सभी अवैध हथियारों को तुरंत जब्त किया जाए, उग्रवादी समूहों के खिलाफ निर्णायक अभियान चलाया जाए और भारत-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। पोस्ट के साथ जारी वीडियो में कांजोंग पुलिस स्टेशन में लगी आग, घना धुआं और मोके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी दिख रहे हैं। वीडियो पर 10/10/26 और 'कांजोंग पुलिस स्टेशन' का लेबल लगा है। कैप्शन में हिंसा की शुरुआत पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हिंसा की शुरुआत कामजोंग जिले के कुकी-बहुल चसाद गांव में हुई। शुक्रवार रात को 5 बच्चों की मां, 42 वर्षीय डोमखोनी थोथांग की गर्दन के पास गोली लग गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हत्याकांड के बाद शनिवार सुबह सशस्त्र कुकी और नागा गुटों के बीच आमने-सामने भीषण गोलाबारी शुरू हो गई।

दिल्ली में थाने बने बच्चों की पढ़ाई का सुरक्षित ठिकाना, पुलिस स्टेशनों की लाइब्रेरी में बदल रही जिंदगी

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में पुलिस थाने आमतौर पर लोगों के लिए शिकायत, एफआईआर व पुलिस कार्रवाई से जुड़ी जगह माने जाते हैं, लेकिन अब इनकी एक अलग तस्वीर भी सामने आ रही है। दिल्ली के 48 पुलिस स्टेशनों में चल रही पब्लिक लाइब्रेरी बच्चों व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए पढ़ाई का सुरक्षित व शांत ठिकाना बन रही है। जहां एक ओर इन लाइब्रेरी में किताबों व पढ़ने की सुविधा उपलब्ध है, वहीं दूसरी ओर कंप्यूटर, वाई-फाई व डिजिटल संसाधनों की सुविधा भी दी जा रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं के ऑनलाइन फॉर्म भरने से लेकर परीक्षा की तैयारी तक में ये लाइब्रेरी युवाओं के बहुत काम आ रही हैं। दिल्ली पुलिस में डीसीपी नेहा यादव ने इन लाइब्रेरी को दिल्ली पुलिस का 'हिडन जेम' बताया, जो 45 से अधिक स्थानों पर मौजूद है। उनके मुताबिक समय के साथ इन लाइब्रेरी को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। कई जगहों पर मुफ्त वाई-फाई, कंप्यूटर व प्रतियोगी परीक्षाओं की नई पुस्तकों की व्यवस्था की गई है। लाइब्रेरी में प्रवेश की व्यवस्था भी डिजिटल की गई है। इसके अंतर्गत पाठकों को कार्ड उपलब्ध कराया जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इन लाइब्रेरी का इस्तेमाल करने के लिए बच्चों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता। शिक्षा फाउंडेशन व अन्य संस्थाओं के सहयोग के दिल्ली के पुलिस थानों में ये लाइब्रेरी चलाई जा रही हैं। जहां बच्चे अपना भविष्य संवारने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। दिल्ली में दर्जनों इलाकों में परिवार छोटे मकानों में रहते हैं। ऐसे में आसपास बाजार, यातायात, दुकानों व अन्य गतिविधियों का शोर भी रहता है। ऐसे में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए घंटों शांत होकर पढ़ना चुनौती बन जाता है। कई परिवारों को पास अलग से स्टडी रूम या महंगी निजी लाइब्रेरी की फीस देने का विकल्प भी नहीं होता है। ऐसे बच्चों के लिए पुलिस स्टेशन परिसर में चलने वाली ये लाइब्रेरी एक वैकल्पिक अध्ययन केंद्र बन गई है। डीसीपी नेहा यादव ने बताया कि बच्चों को ऐसा वातावरण देने की कोशिश है, जहां वे बिना किसी शुल्क के शक्तिपूर्वक बैठकर पढ़ सकें। उन्होंने बताया कि बहुत से बच्चों के पास इंटरनेट की सुविधा या साइबर कैंफे जाने के लिए पैसे नहीं होते हैं। इसलिए कई लाइब्रेरी में कंप्यूटर व वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इससे बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई करने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के आवेदन फॉर्म भी भर पाते हैं। ओखा विहार मेट्रो पुलिस स्टेशन की लाइब्रेरी में दिखा सपनों का संघर्ष इस पहल की जमीनी तस्वीर ओखला विहार मेट्रो पुलिस स्टेशन की पब्लिक लाइब्रेरी में देखने को मिली। यहां अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र नियमित रूप से पढ़ाई करते हैं। कोई सिलिल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहा है। तो कोई पुलिस भर्ती, शिक्षक भर्ती या रेलवे की नौकरी हासिल करने के लिए मेहनत कर रहा है। लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे मोहम्मद शोहरत यूपीएससी व पीसीएस दोनों की संयुक्त तैयारी कर रहे हैं। ईटीवी भारत से बातचीत में उन्होंने बताया कि यहां मिलने वाली सुविधाएं निजी लाइब्रेरी की तुलना में भी बेहतर हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात सुरक्षा है। लड़के हो या लड़कियां, सभी के लिए सुरक्षित माहौल है।



जलाइब्रेरी में पढ़ाई करते छात्रलाइब्रेरी में पढ़ाई करते छात्र (मन्ट उन्हा) उन्होंने बताया कि, लाइब्रेरी में वाई-फाई, बैठने की व्यवस्था, एसी, किताबें व सभ्य के लिए स्टॉफ मौजूद है। अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के हिसाब से किताबें उपलब्ध हैं व अगर किसी पुस्तक की कमी महसूस होती है तो उसकी मांग दर्ज कराने के बाद उसकी भी व्यवस्था कर दी जाती है। लाइब्रेरी का वातावरण पढ़ाई के लिए अच्छा है और यहां आने वाले दूसरे अभ्यर्थियों को देखकर भी तैयारी के लिए प्रेरणा मिलती है। हालांकि, सुविधाएं वित्तनी भी अच्छी हो सफलता के लिए विद्यार्थी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना ही होगा।

मयूरभंज ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक बाघ के शावक को गांव के आस-पास देखा गया. यह शावक गांव के एक घर में घुस गया. गांव वालों ने उसे अंदर जाते देख घर का दरवाजा तुरंत बंद कर दिया और इसकी सूचना करंजिया वन विभाग को दी.

सूचना मिलने पर करंजिया वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बाघ के बच्चे को बचाया और उसे सुरक्षित जगह पर ले गए. विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिस जंगली जानवर के शावक को लोगों ने घर के अंदर बंद करके रखा था वह असल में रॉयल बंगाल टाइगर हैं। बच्चा ज़्यादा बड़ा लग रहा था।

जिमत उम्रपढ़ा स्वभावक देखकर टपससंहम बच्चेम पद उलनतहरीदररॉयल बंगाल टाइगर का शावक दिखा (स्ट टैटंज)

वन विभाग को शक है कि बाघ का शावक मयूरभंज जिले के करंजिया वन विभाग के टाकुरमुंडा रेंज के खापरखाई गांव में बीमारी की वजह से तीन दिनों से घूम रहा है. इस बारे में करंजिया वन विभाग के अधिकारी अजय कुमार साहू ने कहा कि कल एक बाघ का शावक एक व्यक्ति के घर में घुसा गया था. घर में एक खतरनाक जंगली जानवर के शावक को देख लोगों ने तुरंत घर का दरवाजा बंद कर दिया. जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया. उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया. उन्होंने बताया कि यह एक रॉयल बंगाल टाइगर है. शक है कि यह बीमारी की वजह से गांव में घूम रहा है. ऐसे में रॉयल बंगाल टाइगर के इस शावक को इलाज के लिए बंद कर दिया. जिससे शावक घर के अंदर कैद हो गया. उन्होंने कहा कि काफी कोशिशों के बाद शावक को आखिरकार बचा लिया गया. खुशकिस्मती से इस शावक ने किसी इंसान को नुकसान नहीं पहुंचाया. उन्होंने बताया कि बिहार पदा से एक वेटनरी डॉक्टर मौके पर पहुंचे हैं. रविवार के बाद बाघ को अब कैदमुंडी बीट इलाके में लाया गया है. बाद में एक सीनियर वन विभाग के अधिकारी के कहने पर शावक को सिमिलिपाल अभयारण्य (सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व) के घने जंगलों में छोड़ दिया जाएगा. इस बात की जानकारी

अलर्ट: मौसम ले सकता है करवट, चलेंगी तेज हवाएं और होगी झमाझम बारिश, रहें सावधान

नई दिल्ली: भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक आज शनिवार 10 अक्टूबर 2026 को एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से हिमालयी इलाके में बारिश होने की संभावना है। इसके साथ-साथ बंगाल की खाड़ी के ऊपर भी एक नया सिस्टम बनने की उम्मीद है। ऐसे में मौसम एकबार फिर करवट ले सकता है। बता दें, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून देश से विदा ले रहा है। मौसम विज्ञान विभाग (पडम) ने बताया कि 15 अक्टूबर तक उत्तर, पूर्व, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में मौसम खराब रहने और बारिश होने की संभावना है। पहाड़ियों पर पहली बारिश होती है। विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर पहाड़ी राज्य उत्तराखंड पर पड़ रहा है, जहां पहले ही भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग (पडम) ने 10 से 15 अक्टूबर के बीच राज्य और पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने का अनुमान जताया है। आज शनिवार को उत्तराखंड में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और 30-40 किमीघंटा (झोंकों के साथ 50 किमीघंटा तक) की तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में आज और फिर मंगलवार 13 अक्टूबर को काफी बड़े इलाके में बारिश हो सकती है।

मैदानी इलाकों में बदलाव देखने को मिलेगा। इस सिस्टम के पूर्व की ओर बढ़ने और मैदानी इलाकों तक पहुंचने की उम्मीद है। रविवार 11 अक्टूबर के आसपास राजधानी नई दिल्ली और उससे सटे एनसीआर (छब्र) में मौसम बदल सकता है, जिसमें आंधी-तूफान और ढल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 10 से 15 अक्टूबर के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में कहीं-कहीं बारिश होने का अनुमान है। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 12 अक्टूबर तक आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और 40-50 किमीघंटा (तेज हवा के झोंके 60 किमीघंटा तक) की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जबकि पंजाब

में हवा की रफ्तार 30-40 किमीघंटा (झोंकों के साथ 50 किमीघंटा तक) रह सकती है। 12 अक्टूबर तक, उत्तरी पाकिस्तान और उत्तरी मैदानी इलाक. में नमी बढ़ने और बारिश की गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है, जिससे बारिश का दायरा बढ़ सकता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 11 अक्टूबर तक बारिश हो सकती है।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर नया सिस्टम

मौसम का अनुमान लगाने

वाले एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन पर नजर रख रहे हैं, जिसके 12 अक्टूबर को बनने की उम्मीद है। इसके 13 अक्टूबर के आसपास खाड़ी के ऊपर कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है, जिसका असर बाद में पूर्वी और प्रायद्वीपीय भारत के मौसम पर पड़ सकता है।

पूर्व और पूर्वोत्तर का हाल

विभाग के मुताबिक ओडिशा में 10 से 15 अक्टूबर के बीच बारिश हो सकती है, जबकि बिहार में 10-11 अक्टूबर और फिर 15 अक्टूबर को बारिश होने की संभावना है। झारखंड, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, हिमालय के पास वाले पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी बारिश हो सकती है। आज झारखंड और ओडिशा में 30-40 किमीघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर में, आज अरुणाचल प्रदेश में काफी ज्यादा या हर जगह बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावना है, और इनमें



से आखिरी चार राज्यों में 13 अक्टूबर को कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 10-11 अक्टूबर को हर जगह बारिश और 13-14 अक्टूबर को भारी बारिश हो सकती है।

दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी। आईएमडी 10 से 15 अक्टूबर के बीच केरल और माहे (पुदुचेरी केन्द्र-शासित प्रदेश का एक प्रमुख और सबसे छोटा जिला) में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है। आज इन दोनों जगहों और तमिलनाडु में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है, साथ ही लक्षद्वीप में आंधी-तूफान और 40-50 किमीघंटा (झोंकों के साथ 60 किमीघंटा तक) की तेज हवाएं चलने की उम्मीद है। दक्षिणी कर्नाटक में भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है क्योंकि लोटता हुआ मानसून उत्तर-पूर्वी मानसून की स्थितियों में बदल रहा है। 10 से 13 अक्टूबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में जमीन की सतह पर तेज हवाएं

उत्तराखंड में केदारनाथ धाम की यात्रा फिर बाधित, चीरबासा में मलबा-पत्थर गिरने से रोके गए श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग: केदारनाथ धाम की पैदल यात्रा एक बार फिर बाधित हो गई है। शनिवार सुबह चीरबासा के समीप पैदल मार्ग पर मलबा और पत्थर आने से आवाजाही ठप हो गई। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने एहतियातन श्रद्धालुओं को गोरीकुंड में रोक दिया है। मार्ग से मलबा हटाने के लिए आवाजाही सुचारु करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि 10 अक्टूबर 2026 को सुबह 7:22 बजे सेक्टर अधिकारी गोरीकुंड ने केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा क्षेत्र में मलबा-पत्थर आने से मार्ग अवरुद्ध होने की सूचना दी। इसके बाद जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, रुद्रप्रयाग ने संबंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता (जेई), गुप्तकाशी ने अवगत कराया कि मार्ग खोलने के लिए मजदूरों को मौके पर लगाया गया है।

मलबा और पत्थर हटाने के साथ मार्ग की सफाई का कार्य किया जा रहा है, ताकि पैदल आवाजाही को सुरक्षित तरीके से बहाल किया जा सके। मौके पर पुलिस बल और रेस्क्यू टीम भी तैनात है, जो स्थिति पर नजर बनाए हुए है। केदारनाथ धाम की यात्रा के दौरान पैदल मार्ग पर मलबा-पत्थर आने की घटनाओं से यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। ऐसे में प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठा रहा है। श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मार्ग की स्थिति सामान्य होने और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक



निर्देश मिलने के बाद ही आगे बढ़ें। यात्रियों से यात्रा संबंधी नवीनतम जानकारी लेते रहने तथा सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

-विशाल मिश्रा, जिलाधिकारी-गौह हो कि केदारनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले भक्त गोरीकुंड से 2.5 किमी आगे चीरबासा मार्ग से होकर गुजरते हैं। संकरा मार्ग होने के साथ-साथ यहां

पहाड़ियों से पत्थर गिरने और अचानक लैंडस्लाइड होने का हमेशा डर बना रहता है, जिससे यह पूरा क्षेत्र यात्रियों के लिए बेहद जोखिम भरा हो गया है। वहीं 3 सितंबर 2026 को चीरबासा हेलीपैड के पास पहाड़ी से गिरे बोल्टर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से कुछ समय के लिए रोकना पड़ा था।

लखनऊ में नाबालिग बेटे ने की मां की हत्या, सिर पर औजार से किया वार, मौत के बाद शव के पास बैठा रहा

लखनऊ: नाका थाना क्षेत्र में बेटे ने मां की हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी नाबालिग बेटा शव के पास ही बैठा रहा। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। राजेंद्र नगर चौराहे के पास विजय अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 202 में घरेलू विवाद के दौरान नाबालिग बेटे (17) ने मां के सिर पर धारदार भारी औजार से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटिरीपी (पश्चिम) धनंजय सिंह कुशवाहा ने बताया, गुरुवार सुबह करीब 9:00 बजे सूचना मिली कि विजय अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 202 में एक महिला की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम और उच्चाधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतका (42) का अपने नाबालिग बेटे से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। गुस्से में आकर बेटे ने सिर पर औजार से जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो आरोपी बेटा वहीं मौजूद मिला, जिसे तत्काल हिरासत में ले लिया गया। फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर



फिंगरप्रिंट और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। घटना में प्रयुक्त औजार को लेकर भी गहन छानबीन जारी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम

के लिए भेज दिया है और मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कोल इंडिया के उत्पादन में तेजी, डब्लू कोयला उत्पादन में टॉप, ठब्ब में भी 20: से ज्यादा वृद्धि, जानें अन्य अनुषंगी कंपनियों का प्रदर्शन



धनबाद: कोल इंडिया के सितंबर के उत्पादन आंकड़े जारी हो गए हैं। सितंबर में कंपनी ने 53.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है, जो पिछले साल के मुकाबले 9.22 फीसदी अधिक है। खास बात यह है कि ब्रॉस प्दकप की सात प्रमुख अनुषंगी कंपनियों में से ज्यादातर ने सितंबर में पिछले साल की तुलना में उत्पादन बढ़ाया है। धनबाद की ठब्ब ने भी कोयला उत्पादन में 20.71 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। वहीं डब्लू, ब्रॉस और ब्रॉस की वृद्धि इससे भी ज्यादा रही।

नेशनल कोल द्वारा आंकड़े जारी कोल इंडिया के आधिकारिक छंजपबंदस ब्रॉस चतुर्जस पर 30 सितंबर 2026 तक के आंकड़े जारी किए गए हैं। सितंबर में कोल इंडिया ने 53.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। कंपनी ने अपने सितंबर लक्ष्य 51.55 मिलियन टन के मुकाबले 103.77 फीसदी कोयले का उत्पादन किया है। सालाना तुलना में उत्पादन वृद्धि 9.22 फीसदी रही। अनुषंगी कंपनियों में कोयला उत्पादन कैसा रहा सबसे ज्यादा उत्पादन डीएकप ब्रॉसपिमसके स्पउपजमक यानी डब्लू ने किया है। सितंबर में डब्लू का उत्पादन करीब 17.65 मिलियन टन रहा और इसमें 22.30 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। इसके बाद वनजी भेजमतद ब्रॉसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्रॉस ने करीब 11.40 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। ब्रॉस के उत्पादन में करीब 6.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं छवतजीमतद ब्रॉसपिमसके स्पउपजमक यानी छब्र ने सितंबर में करीब 8.50 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। हालांकि छब्र के उत्पादन में करीब 26 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। अदजतस ब्रॉसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्रॉस का सितंबर उत्पादन 5.70 मिलियन टन रहा। कंपनी के उत्पादन में 27.48 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं भेजमतद ब्रॉसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्रॉस ने करीब 4.10 मिलियन टन उत्पादन किया है। ब्रॉस के उत्पादन में करीब 85.5 फीसदी की सबसे तेज वृद्धि दर्ज हुई। वहीं भेजमतद ब्रॉसपिमसके स्पउपजमक यानी ब्रॉस ने सितंबर में करीब 3.52 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। ब्रॉस की सालाना वृद्धि 2.45 फीसदी रही। ठब्ब में 20.71 फीसदी उत्पादन बढ़ावहीं धनबाद की सबसे अहम कंपनी ठीतंज ब्रॉसपिमसके स्पउपजमक यानी ठब्ब ने सितंबर में 2.57 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। कंपनी का लक्ष्य 2.52 मिलियन टन था। यानी ठब्ब ने अपने मासिक लक्ष्य का 101.69 फीसदी हासिल किया है। पिछले साल सितंबर की तुलना में ठब्ब का उत्पादन 20.71 फीसदी बढ़ा है। अनुषंगी कंपनियों के कोयला डिस्पैच के आंकड़ेसितंबर में कोल इंडिया का कुल कोयला ऑफटेक 60.62 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 12.38 फीसदी ज्यादा है। ऑफटेक में भी ब्रॉस ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है। सितंबर में ब्रॉस का ऑफटेक करीब 5.77 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 92.18 फीसदी ज्यादा है। ब्रॉस का ऑफटेक 6.49 मिलियन टन रहा और इसमें 31.55 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। डब्लू ने 18.65 मिलियन टन कोयला डिस्पैच किया, जिसमें 14.76 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ठब्ब का सितंबर ऑफटेक 3.14 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 13.41 फीसदी ज्यादा है। अप्रैल से सितंबर तक के आंकड़ों में ब्रॉस प्दकप का कुल ऑफटेक 381.76 मिलियन टन रहा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 7.69 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में ठब्ब का ऑफटेक 16.37 मिलियन टन रहा। वहीं ब्रॉस का 42.40, म्क का 27.24, डब्लू का 109.18, छब्र का 61.80, ब्रॉस का 89.89 और ब्रॉस का 34.88 मिलियन टन ऑफटेक दर्ज किया गया। यानी सितंबर में कोल इंडिया के उत्पादन और ऑफटेक दोनों में बढ़ोतरी हुई है। अनुषंगी कंपनियों में डब्लू, ब्रॉस और ब्रॉस के उत्पादन में तेज वृद्धि रही। जबकि छब्र के आंकड़ों में गिरावट देखी गई। धनबाद की ठब्ब ने उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए 20.71 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है। बीसीसीएल के अधिकारी ने अपने कंपनी के उत्पादन की पुष्टि की है। अब नजर वित्त वर्ष की दूसरी छमाही पर है। देखना होगा कि उत्पादन और ऑफटेक की सितंबर वाली रफ्तार आगे भी कायम रहती है या नहीं।

यूपी दरोगा भर्ती-2025: हाईकोर्ट ने नियुक्ति पत्र वितरण पर लगाई रोक, उत्तर कुंजी विवाद पर सरकार से जवाब तलब

घन्यागराज: यूपी पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती 2025 मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस), प्लाटून कमांडर (पीएसी) और अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सहित अन्य संबंधित 4543 पदों पर भर्ती प्रक्रिया के तहत



नियुक्ति पत्र जारी करने पर अगली सुनवाई तक रोक सरकार की ओर से बार-बार स्थगन मांगे जाने पर लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने रयाम सुंदर व दो अन्य याचियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचियों के अधिवक्ता राजव कुमार यादव ने बताया कि याचिकाओं में परीक्षा की उत्तर कुंजी में कुछ प्रश्नों के उत्तरों की सत्यता और शुद्धता को चुनौती दी गई है। हालांकि भर्ती का अंतिम परिणाम पहले ही घोषित किया जा चुका है, फ्लोट ने सुनवाई के दौरान पाया कि राज्य सरकारधर्मा बोर्ड की ओर से बार-बार स्थगन मांगा जा रहा था। मामले की स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने आदेश दिया कि मामले की अगली सुनवाई तक उक्त विज्ञापन के क्रम में कोई भी नियुक्ति पत्र जारी न किया जाए। साथ ही इस मामले को अन्य संबंध याचिकाओं के साथ नौ अक्टूबर को दोपहर दो बजे फ्रेश मामले को रूप में सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगली तारीख पर किसी भी पक्ष को कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। साथ ही विपक्षियों को विवादित प्रश्नों

ये 5 ऋण परेशानियों का बनते हैं कारण, जीवन सुख-शांति से बिताना है तो इन कर्ज को जरूर उतारें, शास्त्रों में बताया है महत्व

व्यक्ति का जीवन केवल उसके कर्मा तक सीमित नहीं माना गया है, बल्कि परिवार, देवी-देवताओं, ऋषियों और समाज के प्रति भी कुछ कर्तव्य बताया है। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जन्म लेते ही मनुष्य पर 5 तरह के ऋण माने जाते हैं। इन्हें पितृ, मातृ, देव, ऋषि और मनुष्य ऋण कहा गया है। मान्यता है कि इन दायित्वों को निभाने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है, वरना व्यक्ति को जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

1. मातृ ऋण का संबंध मां और उनके परिवार से माना जाता है। इसमें नाना-नानी, मामा-मामी, मौसा-मौसी और मातृ पक्ष की पूर्व पीढ़ियों को भी शामिल किया जाता है। धार्मिक मान्यता में मां को विशेष सम्मान दिया गया है। कहा जाता है कि माता का अपमान करना या उन्हें कष्ट पहुंचाना जीवन में परेशानियों का कारण बन सकता है। इसलिए माता और मातृ पक्ष के प्रति सम्मान और कर्तव्य निभाना जरूरी माना गया है।

2. पितृ ऋण में पिता के साथ दादा-दादी, ताऊ-चाचा और पूर्वजों की पीढ़ियों को शामिल किया जाता है। मान्यता है कि पूर्वजों के प्रति सम्मान और उनके निमित्त श्राद्ध-तर्पण करना संतान का दायित्व है। धार्मिक मान्यताओं में पितरों की उपेक्षा को परिवार में विभिन्न तरह की परेशानियों से जोड़ा गया है।

पितृ ऋण से जुड़े धार्मिक उपायों में श्रीमद्भागवत महापुराण का पाठ, हवन, तर्पण और पिंडदान आदि का

उल्लेख मिलता है। गया जी जाकर पितरों का श्राद्ध और पिंडदान करने

को आगे बढ़ाना इस ऋण को चुकाने का माध्यम माना जाता है। इसी



की भी परंपरा है।

3. देव ऋण का संबंध देवी-देवताओं और कुल देवता के प्रति कर्तव्य से माना जाता है। धार्मिक परंपरा में माता-पिता को प्रथम देवता कहा गया है। इसके बाद व्यक्ति अपने इष्ट देव और कुल देवता की पूजा करता है। मान्यता है कि नियमित रूप से देवी-देवताओं का स्मरण और पूजा करना इस ऋण के प्रति कर्तव्य निभाने का एक तरीका है।

4. ऋषि ऋण, जिस ऋषि के मोत्र से व्यक्ति का संबंध माना जाता है, उनके प्रति सम्मान को यह ऋण से जोड़ा गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऋषियों के ज्ञान और धरंपरा

कारण धार्मिक परंपराओं में ऋषि तर्पण और अपने मोत्र का स्मरण करने का महत्व बताया गया है।

5. मनुष्य ऋण का दायरा काफी व्यापक माना गया है। इसमें उन लोगों के प्रति कृतज्ञता शामिल है, जिन्होंने जीवन में किसी न किसी रूप में मदद, स्नेह या सहयोग दिया। पशु-पक्षियों और प्रकृति से मिलने वाले सहयोग को भी इससे जोड़ा जाता है। जरूरतमंद और असहाय लोगों की मदद करना, किसी का हक न छीनना और दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना इस ऋण को निभाने का एक तरीका बताया गया है।

काला सागर में ड्रोन की मार, भारत पर कितना असर? गेहूं, तेल और भारतीय नाविकों का क्या है कनेक्शन

रूस और यूक्रेन की जंग अब सिर्फ जमीन पर लड़ी जाने वाली लड़ाई नहीं रह गई है। काला सागर में ड्रोन हमलों ने सैन्य ठिकानों के साथ-साथ व्यापारिक जहाजों और तेल टैंकरों को भी खतरे में डाल दिया है। इस समुद्र से दुनिया के कई देशों के लिए गेहूं, मक्का, तेल और खाद की सप्लाई होती है। हाल के हमलों में भारतीय नाविक भी प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सवाल है कि काला सागर में ऐसा क्या खास है और यहां चल रही लड़ाई का असर अफ्रीका, एशिया और भारत तक कैसे पहुंच सकता है? आइए समझते हैं।

काला सागर की स्थिति इतनी महत्वपूर्ण क्यों है?

काला सागर यूरोप और एशिया के बीच स्थित एक बड़ा समुद्री क्षेत्र है। इसके किनारे रूस, यूक्रेन, तुर्किये, बुल्गारिया, रोमानिया और जॉर्जिया हैं। हालांकि इसका महत्व सिर्फ इन 6 देशों तक सीमित नहीं है। यहां से जाने वाला अनाज, तेल और दूसरी जरूरी चीजें हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया के बाजारों तक पहुंचती हैं। इसलिए काला सागर में कोई बड़ी रुकावट पैदा होती है तो उसका असर दूर-दराज के देशों में खाद्य पदार्थों और इंधन की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। गेहूं की सप्लाई में काला सागर की क्या भूमिका है?

काला सागर के बंदरगाहों से हर साल करोड़ों टन अनाज दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भेजा जाता है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के निर्यात होने वाले गेहूं का करीब एक चौथाई हिस्सा सप्लाई करते हैं। रूस दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक है, जबकि यूक्रेन गेहूं और मक्का का बड़ा सप्लायर है। अगर इन समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही रुकती या धीमी होती है, तो मिस्र, बेरुत और नैरोबी जैसी जगहों में रोटी की कीमत बढ़ सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर उन देशों पर पड़ता है जो खाने-पीने की चीजों के लिए आयात पर निर्भर हैं। तेल के लिए भी क्यों अहम है काला सागर? काला सागर रूस के तेल कारोबार का भी बड़ा केंद्र है। रूस के समुद्री टर्मिनलों से रोज करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल गुजरता है।



नोवोरोसिस्क रूस का प्रमुख दक्षिणी तेल निर्यात केंद्र है। इसके पास कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम का समुद्री टर्मिनल भी है, जो कजाखस्तान के तेल निर्यात का बड़ा हिस्सा संभालता है। इन टर्मिनलों से तेल की आवाजाही में रुकावट आती है तो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें पर असर पड़ सकता है। एशिया की रिफाइनरियां तक पहुंचने वाली सप्लाई भी इससे प्रभावित हो सकती है। काला सागर से बाहर निकलना मुश्किल क्यों है?

काला सागर की भौगोलिक स्थिति इसे और संवेदनशील बनाती है। यह सीधे खुले समुद्र से नहीं जुड़ा है। यहां से निकलने वाले जहाजों को तुर्किये के बोस्फोरस से गुजरना पड़ता है। इसके बाद वे मरमारा सागर पार करते हैं और डार्डनेल्स से होकर भूमध्यसागर की ओर जाते हैं। इन जलडमरूमध्यों पर 1936 की मॉन्ट्रो कन्वेंशन लागू होती है। यही काला सागर को बाहरी दुनिया से जोड़ने वाला समुद्री रास्ता है। इसलिए यहां संकट पैदा होने पर जहाजों के लिए कोई आसान वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में काला सागर कैसे बना जंग का मैदान? 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद काला सागर भी युद्ध का बड़ा मैदान बन गया। शुरुआत में यहां पारंपरिक नौसैनिक लड़ाई हुई। इसमें युद्धपोत, मिसाइल फ्रिगेट, तटीय मिसाइल सिस्टम और समुद्री सुरंगों का इस्तेमाल हुआ। लेकिन यूक्रेन के पास रूस जैसी बड़ी पारंपरिक नौसेना नहीं थी। इसलिए उसने छोटे, सस्ते

और दूर से नियंत्रित किए जा सकने वाले समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाया। इन विस्फोटक ड्रोन ने रूस के लिए नई चुनौती पैदा कर दी और धीरे-धीरे काला सागर में युद्ध की रणनीति बदलने लगी।

यूक्रेन के समुद्री ड्रोन से रूस को क्या नुकसान हुआ? यूक्रेन ने रूस के एंटीहासिक नौसैनिक केंद्र सेवस्तोपोल के आसपास लगातार समुद्री ड्रोन हमले किए। इन हमलों के कारण रूसी नौसेना को अपने कई बड़े युद्धपोत पूर्व की ओर नोवोरोसिस्क ले जाने पड़े। यह सिर्फ सैन्य तैनाती में बदलाव नहीं था। नोवोरोसिस्क रूस का बड़ा व्यावसायिक केंद्र भी है। यहां से तेल और दूसरे महत्वपूर्ण सामान का कारोबार होता है। नतीजा यह हुआ कि जिस समुद्री क्षेत्र में रूसी युद्धपोत ड्रोन से बचने की कोशिश कर रहे थे, उसी क्षेत्र से तेल, खाद और गेहूं ले जाने वाले व्यापारी जहाज भी गुजर रहे थे। अब युद्ध का खतरा व्यापारी जहाजों तक कैसे पहुंच गया? युद्ध शुरू होने के बाद से काला सागर में व्यापारी जहाजों को जोखिम रहा है, लेकिन अक्टूबर की शुरुआत में हालात ज्यादा गंभीर हो गए। अक्टूबर की शुरुआत में यूक्रेनी मक्का लेकर जा रहे तुर्किये के एक कार्गो जहाज को सीधे हमला झेलना पड़ा। जहाज रोमानिया के विशेष आर्थिक क्षेत्र में डूब गया और 2 नाविकों की मौत हो गई। इसके 48 घंटे बाद बुल्गारिया के जलक्षेत्र में 2 कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाया गया। यह नाटो के किसी सदस्य देश के समुद्री क्षेत्र में इस तरह के हमलों का पहला मामला था। इस हमले में एक जहाज

सुबह पेट साफ न होने की समस्या? गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से जानें आसान उपाय

सुबह पेट साफ न होना, मल त्याग में परेशानी होना या शौच के दौरान जोर लगाना कब्ज के लक्षण हो सकते हैं। लेकिन कई लोग इसकी वजह से काफी परेशान रहते हैं। पेट साफ करने के लिए लोग कई तरह की दवाओं का भी सहारा लेते हैं। लेकिन फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं मिल पाता। ऐसे में डॉ. अभिजीत रंजन - वरिष्ठ सलाहक, ए. गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (हेपेटोलॉजी) फाउंटिस अस्पताल मानेसर बता रहे हैं कि इससे कैसे छुटकारा पाया जाए। क्या कहते हैं डॉक्टर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, इसके सामान्य कारणों में भोजन में फाइबर की कमी, पर्याप्त पानी न पीना, शारीरिक गतिविधि कम होना और अनियमित दिनचर्या शामिल हैं।

सुबह पेट आसानी से साफ करने के लिए क्या करें? सुबह उठकर पानी पीना और नाश्ते के बाद शौचालय जाने की आदत डालना मददगार हो सकता है। भोजन के बाद आंतों की गतिविधि बढ़ती है, जिससे मल त्याग करना आसान हो सकता है। शौच के दौरान अधिक जोर लगाने से बचें और शरीर की स्वाभाविक जरूरत को न टालें। खानपान में क्या बदलाव करें?

कब्ज से बचने के लिए पपीता, अमरूद, हरी सब्जियां, दालें, ओट्स और साबुत अनाज जैसे फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं। इसके अलावा पर्याप्त पानी पिएं और रोजाना 20 से 30 मिनट पैदल चलें। ये आदतें मल को नरम रखने और आंतों

की गतिविधि बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं। कब डॉक्टर से संपर्क



करना चाहिए? यदि कब्ज लगातार बनी रहती है या घरेलू उपायों से ठीक नहीं होती, तो गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से सलाह लें। मल में खून आने, तेज पेट दर्द, उल्टी या पेट फूलने के साथ मल और गैस बिल्कुल न निकलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति का शौच करने का समय अलग हो सकता है। जरूरी यह है कि मल त्याग आसान हो और उसमें दर्द या अत्यधिक जोर न लगाना पड़े।

केपेक्सपमट (इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।) जाए। क्या कहते

हैं डॉक्टर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, इसके सामान्य कारणों में भोजन में फाइबर की कमी, पर्याप्त पानी न पीना, शारीरिक गतिविधि कम होना और अनियमित दिनचर्या शामिल हैं।

सुबह पेट आसानी से साफ करने के लिए क्या करें? सुबह उठकर पानी पीना और नाश्ते के बाद शौचालय जाने की आदत डालना मददगार हो सकता है। भोजन के बाद आंतों की गतिविधि बढ़ती है,

जिससे मल त्याग करना आसान हो सकता है। शौच के दौरान अधिक जोर लगाने से बचें और शरीर की स्वाभाविक जरूरत को न टालें। खानपान में क्या बदलाव करें? कब्ज से बचने के लिए पपीता, अमरूद, हरी सब्जियां, दालें, ओट्स और साबुत अनाज जैसे फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं। इसके अलावा पर्याप्त पानी पिएं और रोजाना 20 से 30 मिनट पैदल चलें। ये आदतें मल को नरम रखने और आंतों की गतिविधि बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं। कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए? यदि कब्ज लगातार बनी रहती है या घरेलू उपायों से ठीक नहीं होती, तो

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से सलाह लें। मल में खून आने, तेज पेट दर्द, उल्टी या पेट फूलने के साथ मल और गैस बिल्कुल न निकलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति का शौच करने का समय अलग

क्या आप भी साइनस की समस्या के कारण बंद नाक और लगातार छींक से परेशान हैं? तो इन घरेलू नुस्खों को जरूर आजमाएं

साइनस इन्फेक्शन तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस या फंगस के इन्फेक्शन की वजह से साइनस में सूजन आ जाती है। इससे नाक बंद होना, नाक बहना, छींक आना, चेहरे पर दबाव या दर्द महसूस होना और कभी-कभी सूंघने की क्षमता कम हो जाना जैसे लक्षण हो सकते हैं। क्रोनिक या बार-बार होने वाले साइनसाइटिस के लक्षणों को ठीक से कंट्रोल के लिए मेडिकल मदद की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि, कुछ घरेलू उपाय भी तुरंत राहत दे सकते हैं। लगातार छींक आने और नाक बहने जैसे साइनस से जुड़े लक्षणों को कंट्रोल करने के लिए ये घरेलू उपाय जरूर आजमाएं। खारे पानी से नाक की सफाई— सलाइन सॉल्यूशन नाक के रास्ते से बलगम, एलर्जी और जलन पैदा करने वाली चीजों को बाहर निकालने में मदद करता है। आप नेटि पॉट, बल्ब सिंरंज या पहले से बना सलाइन से इस्तेमाल कर सकते हैं। इन्फेक्शन से बचने के लिए, साफ या उबालकर ठंडा किया हुआ पानी इस्तेमाल करें। दिन में एक या दो बार नाक के रास्ते साफ करने से नाक बंद होने और छींक आने की समस्या कम हो सकती है। नाप लेना— नाप लेने से बलगम ढीला होता है और नाक बंद होने की समस्या में आराम मिलता है। पानी उबालें, उसे एक कटोरे में डालें और नाक से श्वाह लें। श्वाह में हल्के एंटीमाइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो अतिरिक्त आराम दे सकते हैं।

हल्दी वाला दूध— हल्दी में करक्यूमिन होता है, जिसमें सूजन कम करने और इम्यूनिटी बढ़ाने वाले गुण होते हैं। आधा चम्मच हल्दी मिलाकर एक कप गर्म दूध पीने से नाक की सूजन कम हो सकती है और इम्यूनिटी बेहतर हो सकती है। हर्बल भाप— भाप लेते समय उसमें पेपरमिंट, कैमोमाइल या थाइम जैसी जड़ी-बूटियां मिलाने से नाक के रास्ते की जलन शांत हो सकती है और सूजन कम हो सकती है। कुछ मिनटों 5-10 मिनट तक भाप लें। इसमें नीलगिरी (यूकैलिप्टस), पुदीना (पेपरमिंट) या कैमोमाइल तेल की कुछ बूंदें मिलाने से ज्यादा आराम मिल सकता है। ध्यान रखें कि पानी बहुत ज्यादा गर्म न हो, ताकि जलने का खतरा न रहे।



साइनस में आराम के लिए गर्म सिकाई— नाक और माथे पर गर्म, गीला कपड़ा रखने से साइनस का दबाव कम होता है और चेहरे की परेशानी में आराम मिलता है। यह तब बहुत असरदार होता है जब नाक बंद होने के साथ-साथ साइनस में दर्द या सिरदर्द भी हो। दिन में कई बार ऐसा करने से लगातार आराम मिल सकता है।

ह्यूमिडिफायर— घर के अंदर की सूखी हवा नाक के रास्ते में जलन पैदा कर सकती है, जिससे छींक और नाक बहने की समस्या और बढ़ सकती है। ह्यूमिडिफायर इस्तेमाल करने से हवा में नमी आती है, खासकर रात में बेडरूम में, जो नाक की परत को आराम देती है और जलन कम करती है। पक्का करें कि ह्यूमिडिफायर को रेगुलर साफ किया जाए ताकि फफूंदी या बैक्टीरिया न पनपें।

अदरक की चाय— अदरक में प्राकृतिक रूप से सूजन कम करने (एंटी-इंफ्लेमेटरी) और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। दिन में कई बार ताजी अदरक की चाय पीने से नाक की सूजन कम हो सकती है, गले को आराम मिल सकता है और छींक आने की समस्या में राहत मिल सकती है। शहद और गर्म पानी— गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से गले की खराश और बार-बार छींक आने से होने वाली जलन में आराम मिल

सकता है। शहद में हल्के एंटीमाइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो अतिरिक्त आराम दे सकते हैं। हल्दी वाला दूध— हल्दी में करक्यूमिन होता है, जिसमें सूजन कम करने और इम्यूनिटी बढ़ाने वाले गुण होते हैं। आधा चम्मच हल्दी मिलाकर एक कप गर्म दूध पीने से नाक की सूजन कम हो सकती है और इम्यूनिटी बेहतर हो सकती है।

हर्बल भाप— भाप लेते समय उसमें पेपरमिंट, कैमोमाइल या थाइम जैसी जड़ी-बूटियां मिलाने से नाक के रास्ते की जलन शांत हो सकती है और सूजन कम हो सकती है। कुछ मिनटों तक धीरे-धीरे भाप लें और राहत पाने के लिए दिन में 1-2 बार ऐसा करें। गर्म तरल पदार्थ— हर्बल चाय, सूप या गर्म पानी जैसे गर्म तरल पदार्थ खूब पीने से म्यूकस पतला होता है और गला व नाक का रास्ता हाइड्रेटेड रहता है, ज्यादा कैफीन या शराब से बचें, क्योंकि इनसे डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है।

(डिस्क्लेमर: यहां दी गई हेल्थ से जुड़ी जानकारी और सुझाव सिर्फ एजुकेशनल मकसद के लिए हैं। हम यह जानकारी साइटिफिक रिसर्च, स्टडीज और मेडिकल और हेल्थ एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर देते हैं। इन सुझावों को मानने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा है।)

गया जी के इस मंदिर में लोग जीते-जी करते हैं अपना पिंडदान और श्राद्ध, जानिए इसके पीछे की क्या है वजह और धार्मिक मान्यताएं

पितृ षष्ठ पितरों को समर्पित होता है। यह समय पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए अति उत्तम माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पितृ षष्ठ में पूर्वज धरतीलोक पर आते हैं और अपने वंशजों पर आशीर्वाद बरसाते हैं। यही वजह है कि पितृ षष्ठ में पितरों को प्रसन्न करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। पिंडदान एक पवित्र श्राद्ध कर्म है जो दिवंगत आत्माओं की शांति और मोक्ष के लिए किया जाता है। माना जाता है कि बिहार के गया जी में पितरों का पिंडदान करने से पूर्वजों को आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनकी मोक्ष यात्रा सुनिश्चित होती है। गया जी में पिंडदान का महत्व मान्यता है कि गया जी वह पवित्रतम स्थान है जहां भगवान विष्णु ने पूर्वजों को मोक्ष प्रदान किया था। विष्णुपुराण और वायुपुराण में गया जी को मोक्ष की भूमि कहा गया है। इसे विष्णु नगरी के रूप में भी जाना जाता है। कहते हैं यहां स्वयं विष्णु पितृ देवता के रूप में मौजूद हैं। शास्त्रों में कहा गया है गया जी को स्थान है जहां पिंडदान करने से 108 कुलों और आने वाली सात पीढ़ियों का उद्धार होता है। गया में इस समय 48 वेदियां हैं, जहां पर पितरों का पिंडदान किया जाता है। यहीं पर एक जगह है—अक्षयवट, जहां पितरों के निमित्त दान करने की परंपरा है।



गया जी में एक ऐसा मंदिर भी जहां लोग जीवित रहते हुए स्वयं अपना पिंडदान और श्राद्ध करते हैं। गया के इस अनोखे और प्रसिद्ध मंदिर का नाम जनार्दन मंदिर है, जो भस्मकूट पर्वत पर स्थित है। पितृ षष्ठ के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ रहती है। गया जी में स्थित यह इकलौता ऐसा मंदिर है जहां लोग जीते-जी अपना पिंडदान करते हैं। इस मंदिर में भगवान विष्णु जनार्दन स्वरूप में विराजमान हैं। जीवित रहते पिंडदान करने के पीछे की वजह और धार्मिक मान्यताएं हिंदू धर्म में मृत्यु पश्चात दिवंगत की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए पिंडदान करना अत्यंत जरूरी होता है। माना जाता है कि मृत्यु के बाद अगर किसी का पिंडदान और तर्पण नहीं जाता है तो उसकी आत्मा को शांति नहीं मिलती है और घरती पर ही भटकती रहती है। ऐसे

में जिनकी कोई संतान नहीं है या फिर परिवार में ऐसा कोई नहीं जो उनका पिंडदान करे। तब ऐसे लोग मरने से पहले गया जी के जनार्दन मंदिर में जीवित रहते हुए अपना पिंडदान करते हैं। इसके अलावा जो लोग वैराग्य या संन्यास ले लेते हैं वे भी इस मंदिर में अपना पिंडदान करने के लिए आते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जनार्दन मंदिर में भगवान विष्णु खुद पिंड ग्रहण करते हैं। मृत्यु के बाद पिंडदान करने की जरूरत नहीं पड़ती। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गया जी में अगर कोई व्यक्ति जीवित रहते हुए अपना श्राद्ध और पिंडदान करता है तो उसकी मृत्यु के बाद उसके परिजनों को श्राद्ध कर्म नहीं करना पड़ता है। पिंडदान करने के बाद मृत्यु के बाद आत्मा को यमलोक या अन्य लो-

स्मोकिंग के अलावा, जीवनशैली की ये 4 आदतें भी आपके फेफड़ों को पहुंचा सकती हैं नुकसान

जब लोग फेफड़ों को होने वाले नुकसान के बारे में सोचते हैं, तो आमतौर पर सबसे पहले स्मोकिंग का ही ख्याल आता है। हालांकि क्रोनिक फेफड़ों की बीमारी और फेफड़ों के कैंसर के लिए तंबाकू, अभी भी मुख्य और रोकी जा सकने वाली वजह है, लेकिन यह एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो सांस लेने की सेहत पर असर डालती है। रोजमर्रा की जीवनशैली की आदतें धीरे-धीरे फेफड़ों की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचा सकती हैं, यहां तक कि धूम्रपान लोगों में भी जिन्होंने कभी स्मोकिंग नहीं की है। स्मोकिंग के अलावा आपकी लाइफस्टाइल की ये आदतें जो आपके फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो इस प्रकार हैं...



खुराबदार मोमबतियों, वायोमास ईंधन या खाना पकाने से निकलने वाले धुएँ (खासकर जब हवा आने-जाने की सही जगह न हो) के संपर्क में आते हैं। ये सभी सांस की नली में जलन पैदा कर सकते हैं, इन प्रदूषकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा बढ़ सकता है, एलर्जी हो सकती है या सांस की पुरानी बीमारी, रियां हो सकती हैं। खान-पान की आदतें डाइट का फेफड़ों की सेहत पर असर पड़ता है। बहुत ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, मीठे ड्रिंक्स और अनहेल्दी फैट्स खाने से शरीर में लंबे समय तक रहने वाली सूजन (क्रोनिक इन्फ्लेमेशन) हो सकती है, जिससे फेफड़ों के काम करने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा, फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों, नट्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर संतुलित डाइट में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फेफड़ों के टिशू को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। ज्यादा वजन या मोटापा ज्यादा वजन या मोटापे से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है, क्योंकि शरीर का अतिरिक्त वजन डायाफ्राम और छाती की दीवार की गति को रोकता है, जिससे फेफड़ों का पूरी तरह से फैलना मुश्किल हो

जाता है। नतीजतन, रोजमर्रा के कामों के दौरान भी सांस फूल सकती है और ऑब्सट्रक्टिव स्टीप एपनिया जैसी स्थितियों का खतरा बढ़ जाता है। इन बातों पर भी खास ध्यान दें। सांस से जुड़ी लगातार बनी रहने वाली समस्याओं को नजरअंदाज करना एक आम गलती है। तीन हफ्ते से ज्यादा समय तक खांसी, बिना किसी साफ वजह के सांस फूलना, सांस लेते समय धरधराहट की आवाज आना, सीने में बेचोनी या खांसी के साथ खून आना जैसे लक्षणों को सिर्फ मामूली इन्फेक्शन या मौसमी एलर्जी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। शुरुआती दौर में डॉक्टर से सलाह लेने से अस्थमा, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (क्विक), फेफड़ों के इन्फेक्शन या फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों का पता ऐसे स्टेज पर चल सकता है जब उनका इलाज करना आसान होता है। फेफड़ों की सेहत बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका आसान और नियमित आदतें अपनाना है। इनमें शारीरिक रूप से एक्टिव रहना, वजन सही रखना, पौष्टिक खाना खाना, घर के अंदर हवा का अच्छा आवागमन सुनिश्चित करना, धुएँ और प्रदूषण से बचना और लक्षण बने रहने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना शामिल है। ये सभी उपाय आपके फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। हालांकि फेफड़ों की हर बीमारी को रोकना मुमकिन नहीं है, लेकिन इन स्वस्थ आदतों को अपनाकर सांस से जुड़ी बीमारियों का खतरा काफी कम किया जा सकता है और जीवन भर बेहतर ढंग से सांस लेने में मदद मिल सकती है।

‘बेबी ब्लूज’ और ‘पोस्टपार्टम डिप्रेशन’ में क्या है अंतर, जानिए नई माताओं को इसके बारे में क्यों पता होना चाहिए?



माँ बनना हर महिला के लिए खुशी का मौका होता है। हालांकि, कुछ महिलाओं को बच्चे के जन्म के बाद बहुत ज्यादा उदासी महसूस होती है। बच्चे के जन्म के बाद होने वाली इस उदासी या बेबसी की भावना को बेबी ब्लूज या पोस्टपार्टम डिप्रेशन (प्च्य) कहा जाता है। हालांकि ये दोनों ही बच्चे के जन्म के बाद होने वाली मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी स्थितियाँ हैं, लेकिन इनकी अवधि और गंभीरता में काफी अंतर होता है। मुंबई के सीकी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. निधि शर्मा चौहान का कहना है कि बच्चे के जन्म के बाद माताओं में ‘बेबी ब्लूज’ का अनुभव होना आम बात है। इस स्थिति में, महिलाएं उदास या बेबस महसूस कर सकती हैं और अक्सर रो सकती हैं, उन्हें थोड़ी घबराहट भी हो सकती है। ऐसा शरीर में होने वाले बदलावों, थकान और बच्चे की देखभाल की बुनीतियों के कारण हो सकता है। ज्यादातर मामलों में, ये भावनाएं बहुत गंभीर नहीं होतीं और धीरे-धीरे अपने आप चली जाती हैं। दूसरी ओर, पोस्टपार्टम डिप्रेशन तब होता है जब ये भावनाएं ज्यादा गंभीर हो जाती हैं या लंबे समय तक बनी रहती हैं। इससे माँ के लिए सोना, खाना या अपनी और अपने बच्चे की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। अगर किसी महिला को दो हफ्ते से

ज्यादा समय तक ये भावनाएं महसूस हों, तो उसे डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। अगर उसे खुद को या अपने बच्चे को नुकसान पहुंचाने का मन करे, तो उसे तुरंत मदद लेनी चाहिए। डॉ. निधि शर्मा चौहान का कहना है कि समाज में यह गलतफहमी है कि माँ बनना सिर्फ खुशी और आराम का अनुभव है। जब कोई नई माँ दुखी या कमजोर महसूस करती है, तो वह अक्सर समाज या परिवार की उम्मीदों की वजह से खुद को दोषी मानती है। यह समझना जरूरी है कि यह कमजोरी की निशानी नहीं है, बल्कि यह एक मेडिकल और हार्मोनल कंडीशन है जिसके लिए डॉक्टर या काउंसलर से समय पर मदद लेना सही तरीका है। बच्चे के जन्म के बाद अक्सर पूरा परिवार या समाज अपना सारा ध्यान बच्चे पर ही लगा देता है। इस वजह से, ये माँ में पनप रहे पोस्टपार्टम डिप्रेशन को नजरअंदाज कर देते हैं। वे बच्चे के आने की खुशी में इतने मग्न हो जाते हैं कि माँ का हाल-चाल पूछना या यह जानना भूल जाते हैं कि वह कैसा महसूस कर रही है। ऐसे में माँ के पार्टनर और परिवार को भी पता होना चाहिए कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन क्या है और इस स्थिति में किन बातों का ध्यान रखना है और कैसे मदद करनी है। डॉ. निधि शर्मा चौहान के अनुसार, अच्छी बात यह है कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन का

इलाज हो सकता है। महिला किसी थेरेपिस्ट से बात कर सकती है और जरूरत पड़ने पर दवा भी ले सकती है। यह याद रखना जरूरी है कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन माँ की गलती नहीं है। इसके लिए उसे कभी भी शर्मिंदा या दोषी महसूस नहीं करना चाहिए। महिलाएं बच्चे के जन्म से पहले ही पोस्टपार्टम डिप्रेशन के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर सकती हैं। प्रेग्नेसी के दौरान अपने पार्टनर से इस बारे में बात करने से यह पक्का हो जाता है कि दोनों को इसके लक्षणों के बारे में पता हो और जरूरत पड़ने पर नई माँ को मदद मिल सके। पोस्टपार्टम डिप्रेशन एक गंभीर समस्या है, और ज्यादा से ज्यादा नई माताओं को इस वजह से, ये माँ में पनप रहे पोस्टपार्टम डिप्रेशन को नजरअंदाज कर देते हैं। वे बच्चे के आने की खुशी में इतने मग्न हो जाते हैं कि माँ का हाल-चाल पूछना या यह जानना भूल जाते हैं कि वह कैसा महसूस कर रही है। ऐसे में माँ के पार्टनर और परिवार को भी पता होना चाहिए कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन क्या है और इस स्थिति में किन बातों का ध्यान रखना है और कैसे मदद करनी है। डॉ. निधि शर्मा चौहान के अनुसार, अच्छी बात यह है कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन का इलाज हो सकता है। महिला किसी थेरेपिस्ट से बात कर सकती है और जरूरत पड़ने पर दवा भी ले सकती है। यह याद रखना जरूरी है कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन माँ की गलती नहीं है। इसके लिए उसे कभी भी शर्मिंदा या दोषी महसूस नहीं करना चाहिए। महिलाएं बच्चे के जन्म से पहले ही पोस्टपार्टम डिप्रेशन के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर सकती हैं। प्रेग्नेसी के दौरान अपने पार्टनर से इस बारे में बात करने से यह पक्का हो जाता है कि दोनों को इसके लक्षणों के बारे में पता हो और जरूरत पड़ने पर नई माँ को मदद मिल सके। पोस्टपार्टम डिप्रेशन एक गंभीर समस्या है, और ज्यादा से ज्यादा नई माताओं को इस वजह से, ये माँ में पनप रहे पोस्टपार्टम डिप्रेशन को नजरअंदाज कर देते हैं। वे बच्चे के आने की खुशी में इतने मग्न हो जाते हैं कि माँ का हाल-चाल पूछना या यह जानना भूल जाते हैं कि वह कैसा महसूस कर रही है। ऐसे में माँ के पार्टनर और परिवार को भी पता होना चाहिए कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन क्या है और इस स्थिति में किन बातों का ध्यान रखना है और कैसे मदद करनी है। डॉ. निधि शर्मा चौहान के अनुसार, अच्छी बात यह है कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन का

जानिए क्यों मनाया जाता है महालया और इस दिन क्या करना चाहिए?

सनातन धर्म में महालया को पितृ षष्ठ की समाप्ति और शारदीय नवरात्रि की शुरुआत के बीच का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव का समय माना जाता है। महालया अमावस्या (सर्वपितृ अमावस्या) पितृ षष्ठ का आखिरी दिन होता है, और इसके अगले दिन से देवी षष्ठ और शारदीय नवरात्रि या दुर्गा पूजा की शुरुआत होती है। इस तरह, शारदीय दुर्गा पूजा के उत्सव की शुरुआत महालया से ही हो जाती है। शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और इसी दिन वे घरती पमहालय का दिन न केवल शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए जल चढ़ाने का दिन भी है। जो लोग अपने पूर्वजों की पुण्यतिथि पर वार्षिक श्राद्ध कर्म नहीं कर पाते, उनके लिए शास्त्रों में इस दिन यह अनुष्ठान करना उचित माना गया है। चूंकि अमावस्या की तिथि दिवंगत आत्माओं के लिए शुभ मानी जाती है, इसलिए पितृ षष्ठ का आखिरी दिन (जो अमावस्या को पड़ता है) पूर्वजों को जल अर्पित करने और उनका आशीर्वाद पाने का एक शुभ अवसर होता है। साल 2026 में महालया शनिवार, 10 अक्टूबर को है। महालया आश्विन अमावस्या को मनाई जाती है, जो पितृ षष्ठ का आखिरी दिन होता है। उत्तर भारत में इसी दिन को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। महालया क्यों खास है सनातन धर्म में ‘महालया’ के शुभ अवसर पर, लोग अपने पूर्वजों या पितरों की आत्मा की शांति और पुष्टि के लिए ‘तर्पण’ की रस्म निभाते हैं। महालया की सुबह कोलकाता के बाबूघाट, त्रिस्तुप घाट और हुगली नदी के किनारे बने अन्य घाटों पर भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा



देखने को मिलता है। नदी में कमर तक पानी में खड़े होकर, पुरुष अपने पिता और दादा के नाम पर जल, तिल और कुशा घास अर्पित करते हैं। मान्यता के अनुसार, इसी दिन देवी दुर्गा कैलाश से पृथ्वी (अपने मायके) की ओर अपनी यात्रा शुरू करती हैं। दूसरे शब्दों में, यह दिन बंगाली समुदाय के लिए दुर्गा पूजा की शुरुआत का भी प्रतीक है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवी दुर्गा पृथ्वी पर आती हैं। इस बीच, उत्तरी कोलकाता के कारीगरों के इलाके कुमारतुली में, मूर्ति बनाने वाले पारंपरिक रूप से महालया के दिन दुर्गा प्रतिमाओं की आंखें बनाते हैं। इस रस्म को ‘बसुदान’ कहा जाता है। तब तक मूर्तियां अधूरी रहती हैं। आंखें बन जाने के बाद, ऐसा माना जाता है कि देवी ने सचमुच मिट्टी की मूर्ति में प्राण फूंक दिए हैं। महालया पर क्या करें अगर आप घर पर ही इसे मना रहे हैं, तो सुबह जल्दी उठें और रेडियो या ऑनलाइन पर महिषासुर मर्दिनी सुनें, अपने पूर्वजों के लिए तर्पण (पानी और तिल चढ़ाना) करें, अगर

आपको किसी रिश्तेदार की मृत्यु की सही डेट नहीं पता है, तो महालया के दौरान सभी पूर्वजों के लिए प्रार्थना करें, कौबों और मायों को खाना खिलाएं और जरूरतमंदों को भोजन दान करें। शाम को अपने पूर्वजों के लिए दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके एक दीया जलाएं। फिर, आने वाले दिनों के लिए तैयार हो जाएं, अपने घर में पूजा की जगह को सड़स बीच, उत्तरी कोलकाता के कारीगरों के इलाके कुमारतुली में, मूर्ति बनाने वाले पारंपरिक रूप से महालया के दिन दुर्गा प्रतिमाओं की आंखें बनाते हैं। इस रस्म को ‘बसुदान’ कहा जाता है। तब तक मूर्तियां अधूरी रहती हैं। आंखें बन जाने के बाद, ऐसा माना जाता है कि देवी ने सचमुच मिट्टी की मूर्ति में प्राण फूंक दिए हैं। महालया पर क्या करें अगर आप घर पर ही इसे मना रहे हैं, तो सुबह जल्दी उठें और रेडियो या ऑनलाइन पर महिषासुर मर्दिनी सुनें, अपने पूर्वजों के लिए तर्पण (पानी और तिल चढ़ाना) करें, अगर

249 रन डिफेंड ना कर पाने पर कप्तान अय्यर ने क्या कहा? हार के लिए इसे ठहराया जिम्मेदार



शुक्रवार का दिन टीम इंडिया के अच्छा नहीं रहा। रांची के श्रीव इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में 249 रन बनाने के बावजूद वे मैच नहीं जीत सके। वेस्टइंडीज ने दूसरे 220 मैच में भारत के 249 रन के बड़े स्कोर को 18.3 ओवर में ही 4 विकेट खोकर चेज कर लिया। जहां ये वेस्टइंडीज का टी20 में सबसे बड़ा रन चेज था, वहीं ये टी20 का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज था। वेस्टइंडीज की तरफ से कप्तान शाई होप के 45 गेंदों में शानदार शतक और शेरफेन रदरफोर्ड ने 37 गेंदों में तुफानी 84 रनों की पारी खेली। जिसकी वजह से भारतीय गेंदबाज इतने बड़े टोटल को भी डिफेंड नहीं कर सके। एक समय भारत ने पावरप्ले में ही तीन विकेट लेकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली थी।

तारीफ की, अय्यर ने कहा, 'सच कहूँ तो, आप इसके लिए कोई निश्चित स्कोर नहीं बता सकते, क्योंकि जब मैच पर ओस का असर होता है, तो ये मैच के नतीजों पर बहुत बड़ी भूमिका निभाता है, जिसकी वजह से 249 रन भी दो ओवर बाकी रहते ही चेज कर लिए गए, इसलिए आप कोई तय स्कोर नहीं बता सकते, या शायद यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि, इतना स्कोर ठीक है, या हमें इतना स्कोर बनाने की कोशिश करनी चाहिए, अय्यर ने वेस्टइंडीज की शानदार बल्लेबाजी पर बात करते हुए कहा, 'इस विकेट पर गलती की गुंजाइश बहुत कम है, और अगर आप किसी गेंद पर चूक जाते हैं, या उसे सही ढंग से नहीं डाल पाते हैं, तो वह स्टैंड में चली जाती थी, और आप देख सकते थे कि वे कितनी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, तो, कहीं-कहीं कुछ मीकें चूके, लेकिन यह खेल का हिस्सा है, लेकिन उन्हें (वेस्टइंडीज) श्रेय देना होगा, उन्होंने अद्भुत बल्लेबाजी की, और हाँ, उनकी तारीफ़ होनी चाहिए, वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होपवेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप (५६)रिकॉर्ड जीत पर वेस्टइंडीज के कप्तान ने क्या कहा? इस सीरीज में शानदार फॉर्म में चल रहे वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस रिकॉर्ड जीत का श्रेय चौथे विकेट की पार्टनरशिप और शेरफेन रदरफोर्ड की विस्फोटक बल्लेबाजी

भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से पांच टी20 मैचों की सीरीज के साथ शुरू होगा।

भारत और न्यूजीलैंड दोनों फॉर्मेट की एक ऐतिहासिक सीरीज खेलने वाले हैं, जिसकी मेजबानी न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड करेगा, इस सीरीज में कुल 12 मैच खेले जाएंगे, जो कि न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास की सबसे लंबी घरेलू सीरीज होगी, सीरीज की शुरुआत 22 अक्टूबर से टी20 मैच के साथ होगी। लेकिन जैसे-जैसे इस सीरीज के दिन करीब आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे न्यूजीलैंड की परेशानी बढ़ती जा रही है, अब तक उनके 4 बड़े खिलाड़ी चोट की वजह से टी20 सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि एक खिलाड़ी पूरी सीरीज से ही बाहर हो गया है।

तेज गेंदबाज विल ओरुक्की सीरीज से बाहर हो गए हैं, वे अभी भी अपनी बाई हेमस्ट्रिंग और काफ (पिंडली) की चोट से उबर रहे हैं, 25 वर्षीय ओरुक्की पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण सात महीने तक बाहर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में ही इंटरनेशनल क्रिकेट में लौटे थे। यह फैसला ओरुक्की और टीम के मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर लिया गया है, ताकि तेज गेंदबाज को ठीक होने और बिना किसी और परेशानी के अपना बॉलिंग वर्कलोड बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। मार्क चौपमैन (५६)ओरुक्की का इस सीरीज में न होना न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी अटैक के लिए एक झटका



है, ओरुक्की 2024 में अपना टेस्ट डेब्यू करने के बाद से 14 मैचों में 25 से कम की औसत से 49 विकेट ले चुके हैं, जिससे ये साबित होता है कि वो कितने खतरनाक गेंदबाज हैं, ये 24 घंटे के अंदर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका लगा है।

न्यूजीलैंड का चौथा खिलाड़ी सीरीज से बाहर इससे पहले शनिवार को बल्लेबाज मार्क चौपमैन और ऑलराउंडर जैक फॉल्क्स को चोट के चलते 220 टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह जोश ब्लाकर्सन और ब्लेयर किनर को शामिल किया गया, इससे पहले टीम यूबा आलराउंडर राचिन

रविंद्र भी चोट की वजह से टी20 सीरीज के लिए स्ववाद में नहीं चुने गए थे, एक प्रमो शूट का दौरान डाइव लगाकर कंधे पकड़ते समय उनके कंधे में कड़ी ज्यादा चोट लग गई थी। मार्क चौपमैनमार्क चौपमैन (५६)भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को पांच 220 इंटरनेशनल मैचों के साथ शुरू होगा, जिसके बाद पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे, न्यूजीलैंड ने इस सीरीज के लिए टी20 स्ववाद का ऐलान कर चुका है और वो रविवार को वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा करने वाले हैं।

कुल पांच लोग होते हैं जो टेस्ट, वनडे इंटरनेशनल, 220 इंटरनेशनल और किसी भी अन्य फॉर्मेट में प्रतिनिधित्व के लिए सीनियर नेशनल पुरुष टीम को चुनने के लिए जिम्मेदार होते हैं, यह कमेटी टैलेंट की पहचान करने और सीनियर नेशनल पुरुष टीम के लिए मजबूत बेंच स्ट्रेथ तैयार करने में भी अहम भूमिका निभाती है, रिपोर्ट्स

अनुसार सिलेक्शन कमेटी के सदस्यों की सैलरी लगभग 90 लाख होती है, जबकि चीफ सिलेक्टर की सैलरी



अध्यक्ष हैं।

पुरुष टीम की सिलेक्शन कमेटी में

कैंसर की दवाएं होंगी 70: तक सस्ती, मोदी सरकार ने ट्रेड मार्जिन 30 फीसदी तय किया

नई दिल्ली: भारत सरकार ने कैंसर के इलाज को आम जनता के लिए किफायती बनाने के लिए एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है, रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने गैर-अनुसूचित एंटी-कैंसर दवाओं की विक्री और सप्लाय पर मुनाफे को अधिकतम खुदरा मूल्य के 30 प्रतिशत पर सीमित कर दिया है।

सरकार के इस बड़े कदम से कैंसर की दवाइयों की कीमतों में 70 प्रतिशत तक की भारी कमी आएगी, इससे देश भर के कैंसर मरीजों और उनके परिवारों को हर साल करीब 2,500 करोड़ की सीधी बचत होगी और उनकी जेब पर पड़ने वाला बोझ कम होगा, क्यों जरूरी था यह फैसला? सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, आज हर एक लाख की आबादी पर लगभग 60 लोग इस गंभीर बीमारी की चपेट में हैं, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (छम्च) के एक रिसर्च में चौंकाने वाली बात सामने आई थी कि जो कैंसर दवाएं आवश्यक सूची से बाहर थीं, उन पर औसतन 170 प्रतिशत का मुनाफा कमाया जा रहा था, कुछ दवाओं पर तो यह मुनाफा 700 प्रतिशत या उससे भी ज्यादा था, इतना ही नहीं, आम दुकानों, अस्पतालों के मेडिकल स्टोर और ऑनलाइन फार्मसी पर एक ही दवा अलग-अलग दामों में बिक रही थी।



इस मनमानी कीमत और कंपनियों की खरीद-दर व डल्ले के बीच के भारी अंतर को लेकर महाराष्ट्र, राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों के अधिकारियों, मरीजों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से शिकायत की थी, हर तरह की दवा पर लागू होगा नियमयह नियम बेहद सरल और व्यापक है, यह मार्जिन कैप हर प्रकार की गैर-अनुसूचित कैंसर दवा पर लागू होगा, जैसेचाहे दवा ब्रांडेड हो या जेनेरिक, देश में बनी हो या विदेश से आयात की गई हो।

दवा पेटेंटेड हो या बिना पेटेंट वाली, साथ ही, बाजार में दवाओं की किल्लत न हो, इसके लिए सरकार ने दवा कंपनियों को सख्त आदेश दिया है कि वे दवाओं का मौजूदा उत्पादन स्तर बनाए रखें।

2019 की सफलता पर आधारित है यह फैसलायह पहली बार नहीं है जब सरकार ने ऐसा किया है, इससे पहले साल 2019 में भी सरकार ने 42 चुनिंदा गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर ऐसा ही मार्जिन कैप लगाया था, उस समय 526 ब्रांड्स की कीमतों में 91: तक की भारी गिरावट आई थी,

आसान होगा रजिस्ट्रेशन और फटाफट मिलेगा रिफंड, जीएसटी काउंसिल की बैठक में बड़ा बदलाव संभव



नई दिल्ली: जीएसटी काउंसिल 8 अक्टूबर को होने वाली बैठक में जीएसटी सुधारों के अगले चरण पर विचार करेगी, मुख्य ध्यान प्रक्रियाओं को सरल बनाने, इनपुट टैक्स क्रेडिट का दायरा बढ़ाने, रिफंड को आसान बनाने, सेवाओं के निर्यात और छोटे व्यवसायों के लिए नियमों के पालन को आसान करने पर होगा, अधिकारिक सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि राज्यों के लिए राजस्व की निश्चितता, जो जीएसटी के शुरुआती वर्षों में एक बड़ी चिंता थी, वह अब सुलझ चुकी है, इसके अलावा, टैक्स दरों के ढांचे में सबसे बड़ा बदलाव भी पिछले साल ही पूरा कर लिया गया था, अब थुंकि तकनीक अधिक परिपक्व हो चुकी है, इसलिए शुरुआती वर्षों में लागू किए गए कई कठे सुरक्षा उपायों में ढील दी जा सकती है, वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ये सुधार मुख्य रूप से पांच क्षेत्रों पर केंद्रित हैं— प्रक्रिया सुधार, बांदागत बदलाव, जीवन और व्यापार करने में सुगमता, सेवाओं का निर्यात और इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स (ई-कॉमर्स), प्रक्रिया सुधारों के तहत उद्देश्य यह है कि जीएसटी सिस्टम उन कामों को खुद डेटा के माध्यम से संभाले जिन्हें ऑटोमेटिक किया जा सकता है, जबकि अधिकारी केवल उन मामलों पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें निर्णय या विवेक की आवश्यकता होती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान में, 61 प्रतिशत करदाताओं को बिना किसी अधिकारी के हस्तक्षेप

के केवल तीन कार्य दिवसों के भीतर रजिस्ट्रेशन मिल रहा है, बाकी बचे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रस्ताव है ताकि अनावश्यक पूछताछ को कम किया जा सके और आवेदनों के खारिज होने से बचा जा सके, इनपुट टैक्स क्रेडिट में बदलाव की तैयारी जीएसटी सुधारों के इन प्रस्तावों में 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (पूज) को बांदागत सुधारों के केंद्र में रखा गया है, अधिकारी ने कहा कि यदि किसी खरीदार के पास वैध इनवॉइस है, उसने सामान प्राप्त कर लिया है और सप्लायर को टैक्स सहित पूरा भुगतान कर दिया है, तो उसे इनपुट क्रेडिट का लाभ मिलना चाहिए, प्रस्ताव में कहा गया है कि यह इस बात पर निर्भर नहीं होना चाहिए कि सप्लायर घेन में आगे किसी अन्य व्यक्ति ने सरकार को टैक्स चुकाया है या नहीं।

इसके अलावा, व्यापार की उन लागतों को भी क्रेडिट घेन के दायरे में वापस लाने का प्रस्ताव है जिन्हें वर्तमान में इससे बाहर रखा गया है, अधिकारी ने आगे जोड़ा कि वर्तमान में ऐसी लागतों पर चुकाया गया टैक्स व्यापार की लागत का हिस्सा बन जाता है, जिससे सामान की कीमतें बढ़ जाती हैं और अब इसमें सुधार होगा, जीएसटी के इन प्रस्तावों में यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि एक ही तरह के व्यवसाय में दोबारा बेची जाने वाली सेवा पर दो बार टैक्स न लगे, साथ ही, रिफंड के दायरे को भी बढ़ाया जाएगा ताकि सेवाओं, प्लांट और मशीनरी पर

चुकाए गए टैक्स को भी इसमें कवर किया जा सके, करदाताओं के लिए अधिक सुगमता अधिकारी ने बताया कि रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया में भी बदलाव का प्रस्ताव है, जिससे सुधारों को सही तरीके से दर्ज किया जा सके और उससे जुड़े बदलाव खरीदार के लेजर में अपने आप दिखने लगें, यह इनवॉइस मैचिंग सिस्टम रिकॉर्डिंग के समय ही इनपुट टैक्स क्रेडिट की पुष्टि कर देगा, जिससे डेटा के मिसमैच होने वाले नोटिफिकेशंस में कमी आएगी, इसके अलावा, रिफंड मिलने की सूचना भी जल्द ही जाएगी, वित्त मंत्रालय का मानना है कि इन सुधारों का उद्देश्य करदाताओं के लिए रोजमर्रा के नियमों के पालन के बोझ को भी कम करना है, वर्तमान में 61 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन पहले से ही तीन कार्य दिवसों के भीतर ऑटोमेटिक तरीके से दिए जा रहे हैं, अब रजिस्ट्रेशन में सुधार के 66 प्रतिशत आवेदनों को बिना किसी अधिकारी के हस्तक्षेप के प्रोसेस करने का प्रस्ताव है, साथ ही, केवल उपभोक्ताओं को सामान बेचने वाले छोटे करदाताओं के लिए यह प्रस्ताव है कि वे हर महीने के बजाय साल में केवल एक बार रिटर्न दाखिल करें, हालांकि, यह अभी आगे की चर्चा के लिए केवल एक कॉन्सेप्ट नोट है, आधिकारिक सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि यदि रिफंड के दायरे को 10 दिनों के भीतर स्वीकार नहीं किया जाता है, तो उसे स्वीकृत मान लिया जाएगा, रिस्क चेक होने पर रिफंड राशि का 90 प्रतिशत हिस्सा तुरंत जारी कर दिया जाएगा, जिसे बाद में

ठब्ब में निकली वैकेंसी, करीब एक करोड़ है सैलरी, जानें कैसे करें अप्लाई?

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (ठब्ब) ने मंगलवार को एक पद पर वैकेंसी निकाली है, जो पद चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल समाप्त होने के बाद खाली हुआ है, इसलिए बोर्ड ने उस पद को भरने के लिए एक आवेदन पत्र मांगे हैं, अगरकर का कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो चुका है, अब पुरुष टीम की सिलेक्शन कमेटी में प्रज्ञान ओझा, शिव सुंदर दास, अजय राजा और आरपी सिंह मौजूदा सदस्य हैं, पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा फिलहाल चयन समिति के अंतरिम



अध्यक्ष हैं।

पुरुष टीम की सिलेक्शन कमेटी में

‘फटा पटाखा’ सॉन्ग में यामी गौतम ने जॉम्बीज के साथ जमाई महफिल, ‘नई नवेली’ का दूसरा गाना रिलीज

हैदराबाद: अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर वेलो के साथ मिल कर जी म्यूजिक कंपनी ने ‘नई नवेली’ का दूसरा गाना ‘फटा पटाखा’ आज रिलीज कर दिया है। गाने को जी. वी. प्रकाश कुमार ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल वायु ने लिखे हैं और मधुबंती बागची ने इसे अपनी आवाज से सजाया है। इस हाई-एनर्जी ट्रैक को विजय गान्गुली ने कोरियोग्राफ किया है, गाने में यामी गौतम घर एक अनोखी जॉम्बी डांस पार्टी के बीच दिखाई दे रही हैं, जिसके बारे में कभी इसी ने सोचा नहीं होगा बांधे रखने वाले बीट्स, कैंची हुक स्टेप और लार्जर देन लाइफ की कोरियोग्राफी से भरपूर ‘फटा पटाखा’ फिल्म की फैंटेसी दुनिया में एक मजेदार म्यूजिकल दिवस्ट लेकर आता है। गाने में जॉम्बीज की मौजूदगी भी पार्टी की जान फूँकती है, अपनी जश्न मनाने वाली एनर्जी, जबरदस्त रिदम और डांस करने पर मजबूर कर देने वाले हुक के साथ यह गाना बिल्कुल सही वक्त पर आया है और यही वजह है कि नवरात्रि में मौके पर यह सभी पसंदीदा बनने को तैयार है, ऐसे में यह गाना फेस्टिव डांस फ्लोर पर जॉम्बीज का एक अनोखा दिवस्ट लेकर आ रहा है।



जी. वी. प्रकाश कुमार ने कहा, ‘फटा पटाखा’ ने हमें एक बहुत ही अलग म्यूजिकल दुनिया के साथ प्रयोग करने का मौका दिया, आइडिया यह था ‘नई नवेली’ की दुनिया को लेकर एक ऐसे ट्रैक बनाया जाए, जो बिना वक्त गंवाए जश्न मनाने वाला महसूस हो, मैं चाहता था कि कम्पोजिशन में

एक मजबूत हुक और एक ऐसी एनर्जी हो जो आपके साथ रहे, वायु के बोल और मधुबंती की आवाज ने बिल्कुल यही मजेदार, बेबाक क्वालिटी लाई है, जो गाने को चाहिए थी, और यामी की परफॉर्मेंस उस एनर्जी को एक और लेवल ऊपर ले जाती है। मधुबंती बागची ने आगे कहा, ‘फटा पटाखा’ पूरी तरह से, बेबाक मैडनेस है, जो ह्यूमर और जबरदस्त एनर्जी से

भरपूर है, इसे रिकॉर्ड करना एक असली धमाका था क्योंकि यह ट्रैक इतना लार्जर-देन-लाइफ है, उस मस्तीमरे, हाई-ऑक्टन एज के साथ, जी. वी. प्रकाश कुमार और वायु की क्रिएटिव जोड़ी ने इसे उन सबसे एक्साइटिंग ट्रैक्स में से एक बना दिया है, जो मैंने अभी तक रिकॉर्ड किए हैं, मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ, लोगों को इस पर डांस करते

सलमान खान ने यूट्यूब पर डेब्यू किया है, उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने यूट्यूब चैनल का नाम शेयर किया है।



बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपना ऑफिशियल यूट्यूब चैनल लॉन्च किया है, जिससे फैंस को फिल्मों और टेलीविजन के अलावा उनसे जुड़ने का एक और जरिया मिल गया है, एक्टर ने शुक्रवार (9

अक्टूबर) को एक वीडियो के जरिए यह जानकारी दी, जिसमें वे वर्णमाला (एल्फाबेट) सुनाते हुए यह संकेत देते हैं कि उनके चैनल पर हर किसी के लिए कुछ न कुछ होगा, सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम

स्टोरी पर अपने यूट्यूब चैनल के बारे में जानकारी दी और लिखा, ‘चलिए शुरू से शुरू करते हैं, मेरा ऑफिशियल यूट्यूब चैनल, यहां आपको 1 से 26 तक सब कुछ मिलेगा, इस अनाउंसमेंट से उनके फॉलोअर्स में उत्साह है और वे अब यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि एक्टर किस तरह का कंटेंट शेयर करेंगे, उम्मीद है कि इस चैनल पर उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी की झलकियां देखने को मिलेंगी, जिसमें ‘‘ परदे के पीछे के पल और पहले कभी न देखा गया कंटेंट शामिल होगा।

‘‘सउद झौद सलमान खान (78) सलमान के ऑफिशियल चैनल पर अनाउंसमेंट के 4 घंटे के अंदर ही लगभग 22 हजार से ज्यादा सब्सक्राइबर हो गए थे, यूट्यूब के प्रोफाइल में सलमान का फिल्म एक्टर, आर्टिस्ट, पेंटर और ह्यूमैनिटेरियन (समाज-सेवी) बताया गया है और यह कॉन्फर्म किया गया है कि यह उनका ऑफिशियल अकाउंट है, चैनल ने दर्शकों को यह दिखाना शुरू कर दिया है कि आगे क्या-क्या देखने को मिलेगा, कुछ दिन पहले चैनल पर 10 शॉर्ट्स अपलोड किए गए थे, शुरूआती वीडियो में एक्टर का एक हल्का-फुल्का अंदाज दिखता है, जबकि अल्फाबेट-थीम वाली अनाउंसमेंट से ये हिंट मिलता है कि इस प्लेटफॉर्म पर उनके निजी शौक

अविनाश मिश्रा-ईशा सिंह का रिलेशनशिप कंफर्म? ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ के विनर ने पार्टी में खुलेआम बोला- आई लव यू बेबी

बिग बॉस 18 कंटेस्टेंट रहे अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं, उनकी बॉन्डिंग अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं, हालांकि दोनों ने हमेशा यही कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं, लेकिन एक नए वीडियो ने एक बार फिर फैंस के मन में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या उनके रिश्ते में कुछ और भी है।

सोशल मीडिया पर रोहित शेट्टी के शो ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ के विनर एक्टर अविनाश मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, वीडियो को देखकर ऐसा लगता है कि उन्होंने ईशा सिंह के साथ अपने रिश्ते को सबके सामने जाहिर कर दिया है, वीडियो में अविनाश ईशा को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हुए और ‘आई लव यू, बेबी’ कहते हुए नजर आ रहे हैं, साथ ही, वह मेहमानों से इस वीडियो को पोस्ट न करने के लिए भी कह रहे हैं, वायरल हो रहे भावुक होती दिखी, जीत के बाद, अविनाश तुरंत ईशा के पास गए और उन्हें गले लगाया, साथ ही उनके गाल पर किस भी किया, अविनाश और ईशा की पहली मुलाकात ‘बिग बॉस 18’ में हुई थी, हालांकि दोनों ने कई बार रोमांस की खबरों को नकारा है और कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं, वीडियो में अविनाश को यह कहते हुए देखा जा



सकता है, मैं शुक्रगुजार और खुशकिस्मत हूँ कि ईशा मेरी जिंदगी में है, इसके बाद ईशा और उनके दोस्त उन्हें आगे बोलने के लिए कहते हैं, ‘आगे तो बोलो,’ फिर अविनाश कहते हैं, ‘आई लव यू, बेबी,’ ईशा खुशी से जवाब देती हैं, ‘ओके आई लव यू टू,’ और फिर वहाँ से चली जाती हैं, यह वायरल वीडियो ‘खतरा-’ के खिलाड़ी 15’ में अविनाश की जीत के बाद सामने आया है, जब रोहित शेट्टी ने रैंड फिनाले में उन्हें विजेता घोषित किया, तो एक्टर की आँखों से आंसू छलक पड़े, वहीं, उन्हें सपोर्ट करने के लिए वहाँ मौजूद ईशा

भी भावुक होती दिखी, जीत के बाद, अविनाश तुरंत ईशा के पास गए और उन्हें गले लगाया, साथ ही उनके गाल पर किस भी किया, अविनाश और ईशा की पहली मुलाकात ‘बिग बॉस 18’ में हुई थी, हालांकि दोनों ने कई बार रोमांस की खबरों को नकारा है और कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं, लघोषित किया, तो एक्टर की आँखों से ‘किन उनकी बॉन्डिंग और हाल के वीडियो कुछ और ही कहानी बयां करते हैं, दोनों का अक्सर साथ दिखना, एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पोस्ट और प्यार भरे पल अक्सर फैंस का ध्यान खींचते रहे हैं,

‘रामायण’ से लारा दत्ता और शीबा चड्ढा का पोस्टर रिलीज, ‘कैकेयी’ और ‘मंथरा’ के रोल में दिखा अलग अवतार

हैदराबाद: रामायण के मेकर्स नमिता मल्होत्रा ने फिल्म से रानी कैकेयी के रूप में लारा दत्ता और मंथरा के रूप में शीबा चड्ढा के कैरेक्टर पोस्टरों से पर्दा उठा दिया है, यह पोस्टर महाकाव्य के दो अहम किरदारों को सामने लाते हुए उन घटनाओं की तरफ इशारा करते हैं कि कैसे ये भगवान राम का मांग्य हमेशा के लिए बदल देंगी कहानी के टर्निंग प्वाइंट की ओर इशारा किया है, रानी कैकेयी की दो इच्छाएँ जो राजा दशरथ और उनके बेटे भगवान राम के लिए सब कुछ बदल देती हैं, वहीं रानी के इस कदम को पीछे मीजुद मंथरा की बातें होती हैं, जो ऐसी घटनाओं का सिल, सिला शुरू करती हैं, जिससे पूरे



राज्य का भविष्य बदल जाता है, यह दोनों नए पोस्टर अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में जारी किए गए पोस्टर के बाद सामने आए हैं, अरुण गोविल जिन्होंने कई पीढ़ियों के

दिलों में भगवान राम के रूप में टीवी पर अपनी पहचान बनाई, वह अब अयोध्या के राजा दशरथ के रूप में रामायण की दुनिया के जरिए लौट रहे हैं, पोस्टर में शाही अंदाज में लारा दत्ता के कैकेयी अवतार को पेश किया गया है, जिसमें शानदार पारंपरिक पोशाक और गहना, ‘‘ में वह अयोध्या की रानी के तौर पर नजर आ रही हैं, वहीं, शीबा चड्ढा का मंथरा के किरदार में लुक बेहद अलग है, जिसमें वे अपने हाथों में अपनी कुछ चीजें पकड़ी हुई नजर आ रही हैं, मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर

सैं में प्रमोशन कर रही है, हाल ही टीम चित्रदुर्ग पहुंची, इस इवेंट में शिवा राजकुमार भी शामिल हुए, इस दौरान दौरान अचानक पटाखे फटने की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, शिवन्ना तुरंत सुरक्षित जगह की ओर चले गए, आस-पास मौजूद लोगों ने भी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मदद की, वहाँ मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझा दी, शिवन्ना का हर शहर में जोरदार स्वागत हो रहा है, इसी तरह, चित्रदुर्ग में भी बड़ी संख्या में फैंस ने एक्टर का गर्मजोशी से स्वागत किया, जैसे ही एक्टर कार्यक्रम स्थल में दाखिल हुए, एंटी गेट के पास रखा एक फ्लायर पॉट अचानक फट गया, इससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई, मौके पर चिंगारियाँ उठीं और चारों ओर धुआँ भर गया, हालांकि, एक्टर के साथ मौजूद गार्ड्स ने तुरंत उन्हें घेर लिया और किसी भी अनहोनी को टाल दिया, खबर है कि एक्टर पूरी तरह सुरक्षित हैं, सैकनिलक के डेटा के अनुसार, पवन वाडेयार की निर्देशित इस फिल्म ने चार दिनों में 3.93 करोड़ रुपये की कमाई की है, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत 1.34 करोड़ रुपये के नेट कलेक्शन के साथ की और दूसरे दिन 82 लाख रुपये कमाए, इसने तीसरे दिन 89 लाख रुपये और चौथे दिन 41 लाख रुपये का कुल नेट कलेक्शन 3.46 करोड़ रुपये के कैवीएन प्रोडक्शंस के वेंकट के, नारायण द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में ‘डायलॉग किंग’ साईकुमार और साउथ इंडियन सिनेमा के पॉपुलर एक्टर जयराम, शिवा राज, कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, बता दें, कैवीएन प्रोडक्शंस एक जाना-माना कन्नड़ प्रोडक्शन हाउस है, जिसने टॉक्सिक, कंडी, जन नायकन जैसे प्रोजेक्ट्स से साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में धूम मचाई है, फिल्म की कास्ट में लूज माडा योगेश, दीक्षित शेट्टी और संजना आनंद भी शामिल हैं,



इसके अलावा, फिल्म में अजनीश लोकनाथ का म्यूजिक, वैद्य एस. की सिनेमेटोग्राफी और मुरली मास्टर की कोरियोग्राफी है, यह फिल्म पिछले शुक्रवार को रिलीज हुई थी और शिवन्ना समेत फिल्म की टीम अभी भी इसके प्रमोशन में जुटी हुई है, फिल्म ‘बेल’ की प्रमोशन में अचानक जले पटाखे, बाल-बाल बचे कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार, देखें वायरल वीडियो, सैं में प्रमोशन कर रही है, हाल ही टीम चित्रदुर्ग पहुंची, इस इवेंट में शिवा राजकुमार भी शामिल हुए, इस दौरान दौरान अचानक पटाखे फटने की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, शिवन्ना तुरंत सुरक्षित जगह की ओर चले गए, आस-पास मौजूद लोगों ने भी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मदद की, वहाँ मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझा दी, शिवन्ना का हर शहर में जोरदार स्वागत हो रहा है, इसी तरह, चित्रदुर्ग में भी बड़ी संख्या में फैंस ने उठीं और चारों ओर धुआँ भर गया, हालांकि, एक्टर के साथ मौजूद गार्ड्स ने तुरंत उन्हें घेर लिया और किसी भी अनहोनी को टाल दिया, खबर है कि एक्टर पूरी तरह सुरक्षित हैं, एक्टर का गर्मजोशी से स्वागत किया, जैसे ही एक्टर कार्यक्रम स्थल में दाखिल हुए, एंटी गेट के पास रखा एक फ्लायर पॉट अचानक फट गया, इससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई, मौके पर चिंगारियाँ उठीं और चारों ओर धुआँ भर गया,

हालांकि, एक्टर के साथ मौजूद गार्ड्स ने तुरंत उन्हें घेर लिया और किसी भी अनहोनी को टाल दिया, खबर है कि एक्टर पूरी तरह सुरक्षित हैं, सैकनिलक के डेटा के अनुसार, पवन वाडेयार की निर्देशित इस फिल्म ने चार दिनों में 3.93 करोड़ रुपये की कमाई की है, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत 1.34 करोड़ रुपये के नेट कलेक्शन के साथ की और दूसरे दिन 82 लाख रुपये कमाए, इसने तीसरे दिन 89 लाख रुपये और चौथे दिन 41 लाख रुपये का बिजनेस किया, फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 3.46 करोड़ रुपये है, कैवीएन प्रोडक्शंस के वेंकट के, नारायण द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में ‘डायलॉग किंग’ साईकुमार और साउथ इंडियन सिनेमा के पॉपुलर एक्टर जयराम, शिवा राज, कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, बता दें, कैवीएन प्रोडक्शंस एक जाना-माना कन्नड़ प्रोडक्शन हाउस है, जिसने टॉक्सिक, कंडी, जन नायकन जैसे प्रोजेक्ट्स से साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में धूम मचाई है, फिल्म की कास्ट में लूज माडा योगेश, दीक्षित शेट्टी और संजना आनंद भी शामिल हैं, इसके अलावा, फिल्म में अजनीश लोकनाथ का म्यूजिक, वैद्य एस. की सिनेमेटोग्राफी और मुरली मास्टर की कोरियोग्राफी है, यह फिल्म पिछले शुक्रवार को रिलीज हुई थी और शिवन्ना समेत फिल्म की टीम अभी भी इसके प्रमोशन में जुटी हुई है,